श्री नागेश्वर पार्श्वनाथाय नमः
नागेश्वर तीर्थोद्धारक श्री अभयसागर गुरवे नमः

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ

नाम एक स्थान अनेक

...पावन प्रसंग...

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ की

50 वी वर्षगांठ

...मंगल आशीर्वाद...

नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक, आर्यरक्षितसूरि
तीर्थधाम मंदसौर प्रेरक पूज्यपाद आचार्य

श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.साहेब

...प्रकाशक/प्राप्ति स्थान...

श्री जैन श्वेताम्बर नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढ़ी

पोस्ट उन्हेल नागेश्वर, जि. झालावाड-323515 (राज.)
E-Mail : nageshwartirth@gmail.com
www : nageshwartirth.org

...पेढी...

कार्यालय : 07410-240747

मोबाईल : 9784816711,
9649116711

...धर्मशाळा...

कार्यालय : 07410-240711
240781

मोबाईल : 7568558711
7073167711

भाव से करुं वंदना

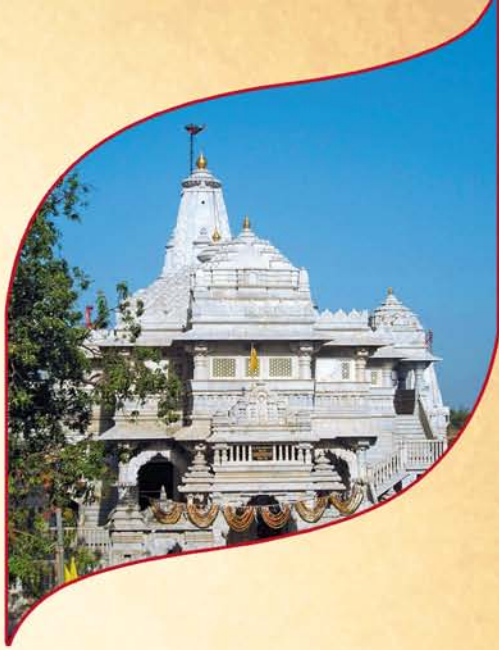

दिव्याशिष...

आगमोद्धारक पूज्यपाद आचार्य **श्री सागरानंदसूरीश्वरजी** म.सा.

नागेश्वर तीर्थ संरक्षक पूज्यपाद उपाध्याय **श्री धर्मसागरजी** म.सा.

नागेश्वर तीर्थोद्धारक पूज्यपाद पं.गुरुदेव **श्री अभयसागरजी** म.सा.

मंगल आशीर्वाद...

नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक,
108 फीट दादा आदिनाथ प्रतिमा प्रेरक
आर्यरक्षितसूरि तीर्थधाम (मंदसौर) प्रेरक
पूज्यपाद आचार्य **श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी** म.साहेब

मार्गदर्शक...

कार्यकुशल पूज्य आचार्य **श्री सौम्यचन्द्रसागरसूरिजी** म.सा.

संपादक...

पू. मुनिराज **श्री धैर्यचन्द्रसागरजी** म.सा.

सह संपादक...

तीर्थ सचिव **श्री धर्मचन्द दीपचंद जैन**

प्रकाशन वर्ष...

वैशाख सुद 7, वि.सं. 2075, 50वी सालगिरह दिन

प्रति : 1000

मूल्य : प्रतिदिन भावयात्रा

पचास साल... पचास प्रतिमा

संपादकीय
PREFACE

सुबह-सुबह दादा के दर्शन के लिए सफेद मार्बल से निर्मित जिनालय में प्रवेश किया... बराबर मध्य में कायोत्सर्ग मुद्रा में नागेश्वर पार्श्वनाथ दादा को देखा -और मन प्रफुल्लित हो उठा... अचानक विचार आया, नागेश्वर दादा की 50वी वर्षगांठ आ रही है, उसमें भी गिने-चूने दिन बाकी है इसको यादगार कैसे बनाई जाये ? गहन विचार-विमर्श हुआ और एक मार्ग मिला।

इस सुवर्ण अवसर पर देश-विदेश में प्रतिष्ठित नागेश्वर दादा को एकत्रित करके पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाये और फिर भक्तवर्ग तक पहुंचाई जाय, जिससे अभी 108 पार्श्वनाथ दादा की यात्रा का दौर चल रहा हैं, भविष्य में वैसा ही दौर नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु के अनेक स्थानों की यात्रा का मार्ग प्रशस्त हो ताकि 50वीं सालगिरह युगो-युगो तक चिरस्मरणीय बनी रहे।

पुस्तक प्रकाशन समय में तीन महत्वपूर्ण बातें रखी गई... एक... प्रतिमाजी खड़ी होनी चाहिये, दूसरी बात... नाम नागेश्वर पार्श्वनाथ होना चाहिये... तीसरी बात...दादा कोई भी वर्ण में हो वह चलेगा। इस विचार बिंदु को पूज्य गुरुदेव श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म. समक्ष प्रस्तुत किया। आचार्यश्री बोले कार्य दिखने में सरल मगर करने में कठिन है... प्रबल भावना हो तो प्रारंभ करो... ताकी समय पर परिपूर्ण हो सके... फिर संमति प्रदान करी.... पश्चात् ट्रस्टी गण को बात बताई सुनकर आनंद व्यक्त किया, कार्य प्रारंभ हुआ।

संकलन यात्रा का सिलसिला चला, नये-नये तीर्थो, जिनालयो एवं प्रतिमाओं की जानकारी मिलती गई, संयोग से संख्या भी 50 तक पहुँच गई...तथा 50वीं सालगिरह से मेच हो गई अतः शब्द निकले... पचास साल- पचास प्रतिमा।

यद्यपि कार्य कठिन था उसमें भी समय की मर्यादा थी किस तरह भगीरथ कार्य पूर्ण करता उसके लिए चक्र गतिमान किया... कई उतार-चढ़ाव आये प्रभु -गुरु कृपा से पार उतर गये, आखिर विचार बिंदु सरिता में बहता-बहता पुस्तक सागर में समाहित हो गया... जो आज आपके कर-कमलों में शोभायमान है।

पुस्तक संपादन कार्य में पू.आ.श्री सौम्यचन्द्रसागरसूरिजी का प्रशंसनीय मार्गदर्शन रहा एवं पू.आ. श्री विवेकचन्द्रसागरसूरिजी म.सा. का भु सहयोग मिला। साथ में सचिव धर्मचन्दजी... एवं पारस को कैसे भूल सकते है... पुस्तक प्रकाशन में अज्ञानतवश कुछ भी त्रुटि हो तो त्रिविध-त्रिविध- मिच्छामि दुक्कडम्

-मुनि धैर्यचन्द्रसागरजी म.

पूज्यपाद् गच्छाधिपति श्री दौलतसागरसूरिजी म.सा. की 50वी सालगिरह पर शुभ कामना

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी आदि समस्त ट्रस्ट मंडळ

धर्मलाभ ...

अमो सौ शातामां छीए विशेष विश्वविख्यात श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवंत ने उर्जापुरूष-पंन्यास प्रवर गुरूदेव श्री अभयसागरजी म.सा. द्वारा प्रतिष्ठित थया ने 50 वर्ष वैसाख सुद 7ना रोज पूर्ण थई रह्या छे.

सुवर्ण महोत्सवनी उजवणी शासन प्रभावक आ.श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा.नी निश्रामां शासन प्रभावना पूर्वक भव्य रीते उजवाय एज अंतरना आशीर्वाद

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थनी सेवा तथा तेने जग विख्यात बनाववानुं भगीरथ काम तीर्थसेवी श्री दीपचंदजी जैन तथा समस्त ट्रस्टमंडळ द्वारा थतु रह्युं छे. तेनी भूरि भूरि अनुमोदना

पू. गच्छाधिपति श्री दौलतसागरसूरिजी नी आज्ञाथी

पू.आ. हर्षसागरसूरिजी. म.सा.

श्री नागेश्वर तीर्थ की 50वी सालगिरह पर शुभ कामना

आ. अशोकसागरसूरिजी म.सा.

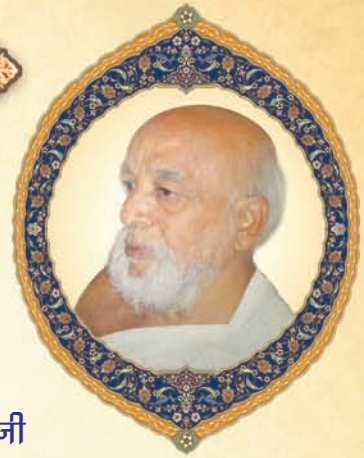

भगवान पार्श्वनाथ की जीवित अवस्था में निर्मित नीलमरत्नमय प्रतिमा का इतिहास जैन शासन में अविरत रूप में चली आ रही मूर्तिपूजा का जीवंत प्रमाण है। यवनों के आक्रमण, विविध संप्रदायो की तथा प्राकृतिक प्रकोप के कारण श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की कायोत्सर्ग मुद्रावाली यह प्रतिमा काल के प्रवाह में मूलस्थान से उत्थापित होकर अनेक स्थानो पर चमत्कार करके भूगर्भ में तिरोहित हुई एसा इतिहास मिलता है।

आज से 50-60 वर्ष पूर्व दादा गुरुदेव श्री धर्मसागरजी म.सा. तथा पू.गुरुदेव श्री अभयसागरजी म.सा.का मालवा विचरण दौरान वसंतिलाल डांगी एवं दीपचंद जैन से अचानक संपर्क हुआ। उसमें बात चली कि नागेश्वर पार्श्वनाथ दादा की खड़गासन मुद्रामें प्रतिमा बीयावान जंगल में खड़ी और श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण कर रही हैं, मगर दुःख की बात है। आज वो नागाबाबा के रूप में पूजाई जा रही है।

इस अनहोनी घटना को श्रवण कर पूनमचंद गांग द्वारा कोर्ट-केस के जरीए प्रतिमा को प्राप्त कीया एवं निर्माण कार्य भार दीपचंद जैन को सोंपा गया, निर्माण कार्य में कई उतार चढ़ाव आये... आखिर तीर्थ निर्माण अलौकिक अनुपम हुआ, जो अपनी नजरो के सामने खड़ा हैं। जिसे देखकर आंखे पावन और हृदय खील उठता है।

नागेश्वर दादा की कृपा कहो या चमत्कार कहो 50 साल की अल्प अवधि में भारत के जाने-माने तीर्थो में गणना होने लगी, देश-विदेश मे प्रसिद्धि बढ़ने लगी इतना ही नही भक्तों का तांता जमने लगा, जिससे भक्त हृदय सम्राट दादा के नये-नये तीर्थो एवं जिनालय निर्माण की श्रृंखला चली... जो आज 50 वर्ष में एक-दो नही पूरे पचास की संख्या को पार कर गई। यह दादा की महिमा की बलिहारी है।

प्रांत में पूज्य गुरुदेव श्री अभयसागरजी म.सा. ने मुझे इस तीर्थ विकास एवं जाहोजलाली में निमित्त बनाया उस हेतु में अपने को भाग्यशाली मानता हूँ... एवं अर्धशताब्दि के पावन वेला पर तीर्थ मार्गदर्शक के रूप में मेरी और से शुभकामना और आशीर्वाद प्रदान करना हूँ साथमें यह तीर्थ दिन-दुगनी रात चौगुनी प्रसिद्धि प्राप्त करे... ऐसी प्रभु से प्रार्थना...

नागेश्वर तीर्थ संरक्षक प.पू. उपाध्याय श्री धर्मसागरजी म.सा. का जीवन चरित्र

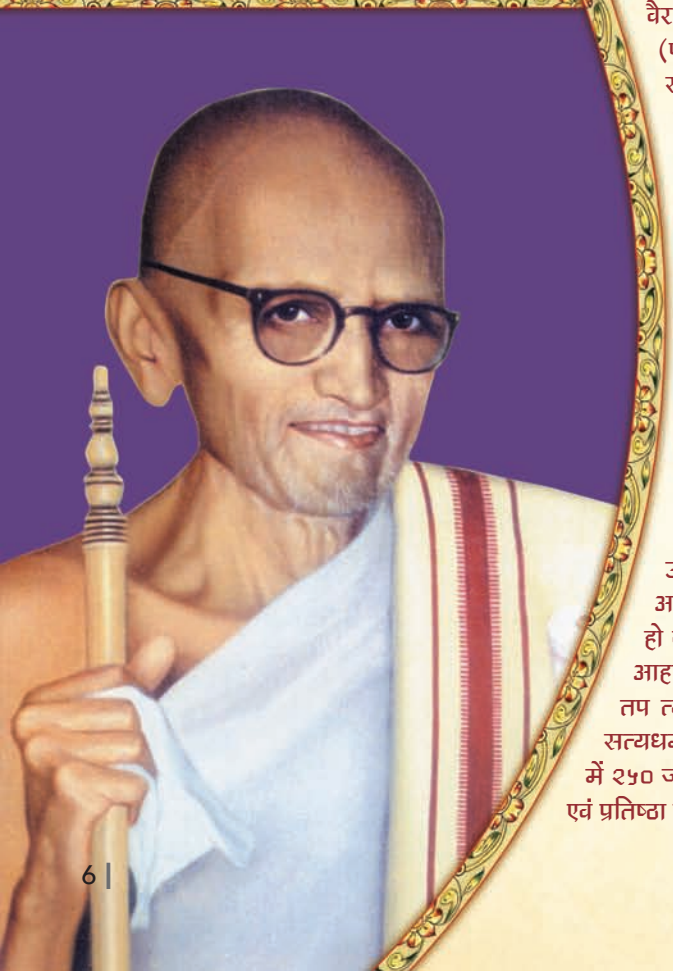

गुजरात-उनावा-उँझा के मूल निवासी मूलचंदभाई धंधे के लिए मुंबई गये। धंधे के साथ पूज्यपाद सागरानंदसूरिजी म.सा. की अमृतवाणी श्रवण करने पर धर्म में अभिरुची जाग्रत हुई ! धीरे-धीरे धर्म के रंग से रंगाने लगे। आयंबिल की तप यात्रा प्रारंभ की साथ ही पौषधव्रत-विरति के आराधक मंडल में सम्मिलित हुए ! एक बार मंडल अध्यक्ष चिमनभाई पटवा के साथ चौदस का पौषध कीया ! उसमें मित्रों के साथ चर्चा करते वैराग्य दृढ हुआ, 45 व्यक्ति एक साथ बोले, यदि प्रमुख (पटवाजी) दीक्षा लेते हो तो हम सभी तैयार है उसी वक्त समयज्ञ ''पटवाजी'' ने ''पू. सागरजी म.सा.'' के पास दीक्षा अंगीकार की यह सुनकर मित्रवर्ग जाग उठा, मूलचंदभाई भी अन्तर्मन से हिल गये ! पूरे परिवार का विरोध होने पर भी अपने परिवार के साथ संयम का स्वीकार किया। आपश्री पू.आ.चन्द्रसागरसूरीजी म.सा. के शिष्यरत्न पू.श्री धर्मसागरजी म.सा. पत्नि-(मणिबेन=सद्गुणाश्रीजी म.सा.) बेटी = (सविता-पू.सुलसाश्रीजी म.सा.) बड़ा सुपुत्र-(मोतिलाल...महोदयसागरजी म.) छोटा सुपुत्र - (अमृत कुमार अभयसागरजी म.सा.) के नाम से प्रख्यात हुए ! दीक्षा के दिन से पू.श्री धर्मसागरजी म.ने आजीवन एकासणे वो भी मात्र ४ द्रव्य से ही किये तथा कभी एलोपथी दवा का उपयोग नहीं किया। पू. गुरुदेव श्री चंद्रसागरसूरिजी म.सा. के साथ मालवा में पधारे उस समय अन्य गच्छ का फैलाव होने से अज्ञानता वश अनेक मंदिरों व उपाश्रय में ताले लगे थे लोग धर्म विमुख हो गये थे। ऐसे विकट समय में गाँव-गाँव विहार करके आहार-पानी असुविधा उठाकर भी तेले के पारणे तेले कर तप त्याग की ज्योति जलाकर शुद्ध धर्म देशना देकर एवं सत्यधर्म की स्थापना कर के धर्म का डंका बजाया। गाँव-गाँव में २५० जगह पाठशाला-आयंबिल खाता- मंदिरो के जिर्णोद्धार एवं प्रतिष्ठा की अलख जगाई।

इस धर्म प्रभावना का सिलसिला सतत गतिमान रखने हेतु भोपावर, मांडवगढ़, मक्षीजी, नागेश्वर तीर्थ, वही पार्श्वनाथ, परासली, करमदी, बिबडौद (रतलाम) आदि तीर्थो में गुजराती श्रेष्ठिओ-आराधक वर्ग आदि को बार-बार आमंत्रित करके मालवा में धर्म के संस्कार का सतत सिंचन किया।

श्री केशरीयाजी एवं श्री महावीरजी तीर्थ आदि की रक्षा-सुरक्षा के लिए सरकार से अनेक केस लडे ततसमय समस्त जिन मंदिर की आय को हड़पने वाली मैली मुरादो से सरकार द्वारा ''ट्रस्ट एक्ट'' नाम का नया कानुन बनाया गया, उसमें आ.क.पेढ़ी के सेठ कस्तुर भाई भी गुमराह हो गये। तब आपने इसकी बागडोर संभाली तथा सुप्रीम कोर्ट में जाकर जीत हांसिल की। जिससे आज देवद्रव्य सही सलामत हो सका, कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले को सुनकर सेठ कस्तुर भाई ने बड़े पेमाने पर अहमदाबाद में अभिनंदन समारोह रखा,परन्तु पूज्य श्री को इस समारोह का जैसे ही समाचार मिला, वैसे ही प्रात:काल बिना बताये समारोह के दिन विहार कर दिया क्योंकि वे मान-सन्मान से कोसो दूर रहते थे।

आज से 50 वर्ष पूर्व श्री सम्मेतशिखरजी यात्रार्थे गुरु व शिष्य (पू.धर्मसागरजी, प.पू.अभयसागरजी म.)ने विहार किया उस वक्त उनके साथ में कोई सहायक आदमी नहीं थे। रास्ते में जैनियो के घर 50-50 की.मी. दूरी पर आते थे, तब अजैनो के गांव में जाकर तथा बीच चोराहे पर कथा के माध्यम से जनसमूह में धर्म भावना का सिंचन करके साधु मर्यादा समझाते थे। ऐसी कठिन परिस्थिति में भी निर्दोष-आहार-पानी का उपयोग करते, गर्मजल के लिए रेल्वे स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी के इंजन से गर्म जल ग्रहण करते थे इसी तरह साधु-जीवन की चर्या का चुस्त पालन करते थे, न डोली का उपयोग करते, न तो गुरुपूजन करवाते इतना ही नही स्वयं प्रेरित धर्मस्थानको में भी अपने नाम-फोटो का मोह तक नहीं रखते थे... ऐसे संयमी गुरुवर को लाखो प्रणाम -

नागेश्वर तीर्थोद्धारक पूज्यपाद पंन्यास गुरुदेव श्री अभयसागरजी म.सा.

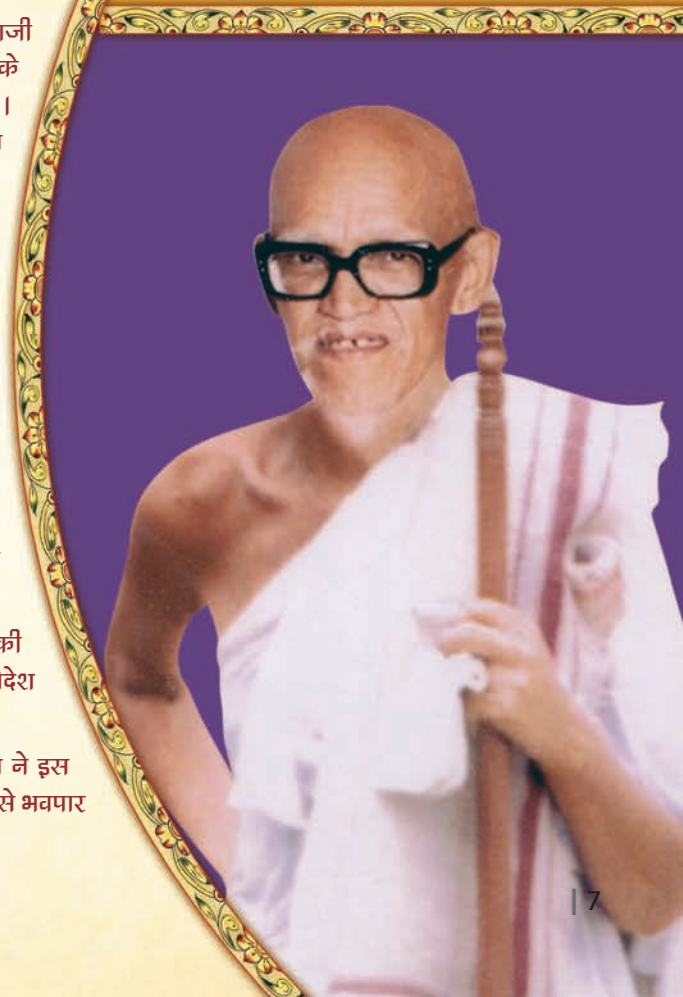

सहज स्वभावी योगसाधक जैन शासन के गगन मंडल के दैदीप्यमान सितारे पूज्य गुरुदेव पंन्यास श्री अभयसागरजी म.सा. का जन्म उनावा (उत्तर गुजरात) में संवत 1981 जेठ वद 11 को हुआ। गुरुदेव ने मात्र साढ़े छः वर्ष की अल्पायु में अपने संसारी पिता पूज्य उपा. श्री धर्मसागरजी म.सा. की निश्रा में दीक्षा ली। कपट, क्लेश के मायाजाल और आडंबर से कोसों दूर गुरुजी जीवन पर्यन्त जिन शासन के सद्चरित्र और निराभिमानी साधु जीवन के रूप में नवकार महामंत्र के महान आराधक रहे।

गुरुदेव ने अपने जीवन काल में कई मंदिरों एवं तीर्थो का निर्माण एवं जिर्णोद्धार कराया। मालवा एवं मेवाड़ क्षेत्र के छोटे से छोटे गांव में भी कठिन विहार कर गुरुदेव पधारे तथा मालवा मेवाड़ में धर्म का प्रसार किया। मालवा के श्री अमीझरा, श्री भोपावर, श्री मांडवगद, श्री मक्सीजी श्री वही पार्श्वनाथ एवं आज जो तीर्थ संपूर्ण विश्व में विख्यात है श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ आदि अनेक तीर्थो का उद्धार किया।

इसमें नागेश्वर तीर्थ के उद्धार की कथा तो अलौकिक और चमत्कार से परिपूर्ण है। आज से लगभग 60 वर्ष पूर्व दोनों पूज्य प्रवर (उपा. श्री धर्मसागरजी एवं पं.श्री अभयसागरजी म.सा.) नागेश्वर उन्हैल गांव में पधारे। यहां के तालाब एवं बावड़ी के शिलालेखों का अध्ययन किया तथा तीन दिन तक नवकार महामंत्र की आराधना कर श्री पार्श्वनाथ प्रभु की प्रतिमा का परिचय प्राप्त किया।

कई प्रकार की समस्या ओं का सामना करते हुए गुरुदेव ने इस तीर्थ के उद्धार का निश्चय किया तथा नागेश्वर निवासी श्री दीपचन्द जैन एवं रुनिजा के श्री बसंतीलाल डांगी को तीर्थ के जिर्णोद्धार का कार्यभार सोंपा। गुरुदेव के मार्गदर्शन में श्री दीपचंद जैन एवं श्री बसंतीलाल डांगी ने तीर्थ उत्थान की बागडोर अपने हाथ में ली। संवत् 2026 को वैशाख वद 10 को हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूज्य गुरुदेव ने श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की विशिष्ट प्रकार से जो कि सौभाग्य से परिलक्षित हो विधि द्वारा प्रतिष्ठा संपन्न कराई, अधियष्ठावक देव की कृपा एवं गुरुदेव के वासक्षेप का एवं श्री दीपचंद जैन के अथक प्रयास का प्रतिफल आज यह तीर्थ संपूर्ण देश ही नहीं बल्कि विदेशों में विख्यात हुआ है।

50 वर्ष पूर्व जहां एक साधारण से हॉल में प्रतिमाजी विराजित थी, एक भव्य जिन प्रसाद के निर्माण के पृष्ठ भाग में भी एक चमत्कार की गाथा जुड़ी हुई है। गुरुदेव ने यहाँ एक विशाल मंदिरजी के निर्माण का स्वप्न देखा जिसका विवरण उन्होंने कई शिल्पियों को बताया परन्तु कोई भी इस प्रकार के भव्य जिनालय का प्लान तैयार नहीं कर सका।

योगानुयोग इधर गुरुदेव ने मंदिर निर्माण का स्वप्न देखा उधर राजस्थान के शिल्पी श्री जवाहरलाल को गुरुदेव स्वप्न में आए उन्होंने इस प्रकार के मंदिर निर्माण का संकेत किया। शिल्पी जवाहरलाल पूज्य गुरुदेव की तलाश करते हुए नागेश्वर तीर्थ पहुंचा और भगवान श्री पार्श्वनाथजी तथा गुरुदेव के दर्शन कर अभिभूत हो गया। और गुरुदेव से इस तीर्थ निर्माण का आशानुरूप नक्शा समझकर तीर्थ निर्माण के लिए प्लान आदि तैयार किये।

गुरुदेव ने समग्र जीवन में जिनशासन की जाहोजलाली की तथा जैन धर्म की पताका को देश विदेश में फहराने में अपना संपूर्ण जीवन लगाया।

संवत 2043 कार्तिक वदि 9 को इस महाविभूति ने इस संसार से महाप्रयाण किया, ऐसे गुरुदेव के स्मरण मात्र से भवपार हो जाता है के श्री चरणों में कोटि-कोटि वंदन।

नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक
पूज्य आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.
एक परिचय

गौरवशाली गुजरात के वडोदरा के छाणी जैसे पवित्र गाँव में वि.सं.2000 वैशाख सुद दूज याने सन् 1944 में शेठ श्री शांतिलाल धर्मपत्नि मंगुबेन की कुक्षी से देवविमान के स्वप्न सूचित जन्म हुआ, स्वप्न अनुसार नाम रखा अरूणकुमार। बचपन में अरूण बालसूर्य की तरह चमकने लगा, धर्म प्रति अति लगाव होने से जैन धार्मिक पाठशाला महेसाणा में लगातार पांच वर्ष अभ्यास किया, और कर्मग्रन्थ आदि विषयों में पारंगत बने। पश्चात् सिकन्द्राबाद में पढाने के लिए जा रहे थे, रास्ते में विचार आया पूज्य उपाध्याय धर्मसागरजी म.सा. आबु में विराजमान है, उन्हे वंदन करके सिकन्द्राबाद की लंबी सफर करूं, यह सोचकर तुरन्त आबु पहुंचे, वहाँ पूज्य मुनि श्री अभयसागरजी म.सा. के सत्संग में ऐसा जादू चला कि रातो-रात वैराग्य प्रकट हुआ, दूसरे ही दिन आबु विमलवसही में दीक्षा अंगीकार की, एवं नाम रखा मुनि श्री अशोकसागरजी म.सा.।

पश्चात् शास्त्र अध्ययन-अध्यापन करते कराते शास्त्रज्ञ बने प्रवचन पीठ पर से धारा प्रवाह एवं जोशीली वाणी द्वारा धर्मसभा मंत्र मुग्ध बनने लगी, जिससे अल्पावधि में प्रभावक प्रवचनकार बने... तब से शासन प्रभावना का सिलसिला जारी हुआ।

पालीताणा में जंबूद्वीप संस्था है, जो पृथ्वी घूमति नहीं, पृथ्वी फिरती नहीं और एपोलो चाँद पर पहुँचा ही नहीं इस त्रिसूत्री अभियान को अनेक सेमिनारों द्वारा प्रचार प्रसार किया और बुद्धि जीवी लोगों को सत्य का मार्ग दिखलाया। प्रेक्टीकल प्रयोगात्मक बनाने के लिए विज्ञान भवन का निर्माण कराया, जिसका उद्घाटन तत्कालीन गृहमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी के करकमलों से हुआ। इस दौरान उज्जैन श्री मणीभद्र तीर्थ, बिबडौद तीर्थ, रतलाम, आर्यरक्षित सूरि तीर्थ धाम, अजितशांति तीर्थ जंबूद्वीप तीर्थ के मार्गदर्शक बने और अनेक छोटे बडे जिनालय-उपाश्रय के प्रेरणादाता, प्रतिष्ठाकारक बने।

आपकी जोशीली वाणी और संयम सुवास से आकर्षित होकर परिवार के छः व्यक्ति तथा अन्य लगभग 108 मुमुक्षुओं ने भागवती दीक्षा स्वीकार की, जिससे सागर समुदाय में प्रतिभा संपन्न आचार्य प्रतिष्ठित बने। विश्व में एकमात्र, सुवर्ण आगम मंदिर, बामणवाडा तीर्थ में निर्माण करवाकर सागर समुदाय की मोनोपॉली बरकरार रखी।

गुजरात, महुवा में कथाकार मोरारी बापु द्वारा आयोजित सर्व धर्म सम्मेलन में जैनाचार्य के रूप में आप आमन्त्रित हुए, सभा में धारा प्रवाह प्रवचन शैली सुनकर बापु सहित समस्त सभा जन आश्चर्य चकीत हो उठे। उस सभा में बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा, कबीर पंथी, मक्का के मौलवी आदि उपस्थित थे।

ऐसी आपकी वाणी का जादू रहा। इससे प्रभावित होकर महुवा जैन संघ द्वारा आपको अभिनन्दन पत्र अर्पण किया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि प.पू. पंन्यास श्री अभयसागरजी म.सा. के विशेष एक मात्र कृपा पात्र के रूप में आ. श्री अशोकसागरसूरिजी रहे है, पूज्य पंन्यास गुरुदेवश्री ने श्री नागेश्वर तीर्थ के संविधान में अपने पट्टधर -पाट परम्परा के उत्तराधिकारी के रूप में आ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. को नामोल्लेख कर घोषित किया था, तब से आज तक आप श्री नागेश्वर तीर्थ के विकास हेतु सतत मार्गदर्शन प्रदान कर रहे है।

अंत में आपकी एक खासियत कहो या पुण्याई कहो... कोई भी जैन धार्मिक संस्था आर्थिक, राजकीय, परिवारिक, सामुदायिक असमंजस या मतभेद का शिकार बनी हो तो उसमें संस्था को कैसे उगारना या बाहर निकालना उसमें आप अच्छे माहिर है, इसी वजह से आज कितनी ही संस्था के उद्धारक, प्रेरक एवं जीवनदाता बने... जो सदैव स्मरणीय रहेगा। श्री जैन श्वे. संघ की अनमोल विरासत के रुप में जगविख्यात जंबूद्वीप संकुल-पालीताणा में विश्वभर में प्रथम दादा आदिनाथ की 108 फीट की प्रतिमा निर्माण कर जिन शासन की पताका विश्वभर में फैलाई। साथ में 100 पुत्रो, 100 पुत्रीओ, 2 प्रपौत्रो एवं मरुदेवी माता वहां पर ऐरावणहस्ती पर शोभायमान है, जो परिवार की विशालता का संदेश हमे देता है।

इस प्रकार जिनशासन की अनेक प्रकार से प्रभावना करने की वजह से आप जिन शासन प्रभावक पूज्यपाद आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. बने।

मिताक्षरी परिचय

जन्म	:	वि.सं.2000, वैशाख सुद दूज, सन् 1944
जन्म स्थान	:	छाणी, जिला वडोदरा
दीक्षा तिथि	:	वि.सं.2017, वैशाख सुद 14, 1961
दीक्षा स्थान	:	माउन्ट आबू, विमलवसही रंग मण्डप
माता	:	मंगुबेन शाह
पिता	:	शांतिलाल शाह
अभ्यास	:	6 ठी कक्षा
धार्मिक अभ्यास	:	महेसाणा पाठशाला 5 वर्ष
बडी दीक्षा	:	अषाढ सुद पंचमी, वि.सं.2017, महेसाणा
गणि पद	:	वैशाख सुद दशमी, वि.सं.2036, उंझा
पंन्यास पद	:	वैशाख सुद छठ, वि.सं.2045, आगम मंदिर-पालिताणा
आचार्य पद	:	माघ सुद सप्तमी, वि.सं.2052, जंबूद्वीप-पालिताणा

शासन प्रभावना के कार्य

- 111 शिष्य-प्रशिष्य (उनमें 9 आचार्य, 1 उपाध्याय, 4 पंन्यास, 10 गणिवर्य)
- 50 अंजनशलाका, 132 प्रतिष्ठा
- 45 उपाश्रय निर्माण, 27 पदवी दान, 15 संघों की स्थापना, 32 उपधान
- 19 नव्वाणु, 40 से अधिक छ'री पालित संघ, 4 भोजनशाला
- श्री जंबूद्वीप जैन संस्था, पालिताणा, श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, श्री माण्डवगढ तीर्थ, सुवर्ण आगम मंदिर, बामणवाडा, अजितशांति तीर्थ, श्री मणीभद्र वीर तीर्थ, भेरुगढ, उज्जैन, आर्यरक्षित सूरि तीर्थ धाम, मंदसौर, श्री बिबडौद तीर्थ, श्री करमदी तीर्थ आदि के संस्थापक, प्रेरणादाता एवं मार्गदर्शक
- 18 से अधिक उजमणे
- 41 से अधिक श्री आगमोद्धारक गुरुमूर्ति/चरण पादुका की प्रतिष्ठा
- 20 पुस्तकों का लेखन/संपादन
- जंबूद्वीप, अपना सच्चा भूगोल, विडीयो फिल्म शो का निर्माण
- लगभग 20 से अधिक तीर्थ स्थलों पर सामुहिक ओली का आयोजन

श्री नागेश्वर तीर्थ के लोह पुरुष : श्री दीपचंद जैन

वर्तमान समय में नागेश्वर पार्श्वनाथ के नाम से शायद ही कोई अनभिज्ञ होगा। मनोरम प्रकृति की गोद में मंदिरो का देवलोक प्रतित होता यह महातीर्थ एवं यहाँ प्रतिष्ठित महाप्रभु श्री पार्श्वनाथ की अत्यन्त मनमोहक प्रतिमा अनायास ही हर भक्त को आस्था के सैलाब में अमृत का सोपान प्रदान करती है।

एक और जहाँ अध्यात्म की गंगा के अन्त: करण में सुकुन और शांति का अमृत सिंचन करती है तो दूसरी ओर यात्रियों के स्तर के अनुरूप उपलब्ध धर्मशाला एवं भोजनशाला आदि की सुविधा उन्हें घर से दूर होने का आभास ही नहीं होनी देती हे।

जितना यह तीर्थ आज मनोहर और रमणीय है उतनी ही इस महातीर्थ के विकास की कहानी भी आश्चर्यकारी और दिलचस्प है। तीर्थ स्थल के वर्तमान स्वरुप को देखकर के उस दूसरे पहलु पर नजरे घूमाना बेहद रोमांचक होगा।

इस तीर्थ के प्रांरभिक विकास के दौर पर नजरे ईनायत करना प्रासंगिक होगा... आईये इतिहास के कुछ पन्नों को उलेटें...,

आम्र वृक्षों से आच्छादित, पक्षियों की चहचहाट से युक्त वातावरण में एक दुबला पतला युवक बडे से पत्थर पर बैठकर सामने खड़े जिर्णशीर्ण गुम्मद नुमा अवशेष से झांकते हुए अलौकीक प्रतिमा जो सिंदुरी रंग से रंगी खड़ी थी, को निहार रहा था। बार बार मन मस्तिष्क में एक ही बात गुंज रही थी की मेरे प्रभु ! आपको इस जिर्णशीर्ण स्थिति से कब मुक्ति मिलेगी, तथा इस स्थान को भव्य स्वरूप कब मिलेगा। इस गुंज का सिलसिला उस युवक के मन में प्रतिदिन चल रहा था, किंतु असमंजस की इस स्थिति का कोई स्पष्ट समाधान प्राप्त नहीं हो रहा था, यह युवक ओर कोई नहीं अपितु श्री नागेश्वर तीर्थ के स्वप्नदृष्टा श्री दीपचंदजी जैन ही थे। अचानक सोचते सोचते कमाल हो गया, सूचना मिलती है कि परम पूज्य उपाध्याय श्री धर्मसागरजी म.सा. एवं. पू. पन्यास प्रवर श्री अभयसागरजी म.सा. का इस ओर आगमन हुआ है, तत् समय श्री जैन के मन में हर्ष का संचार हो गया। दोनो ही महान् विभूतियों ने अनेक संघर्षो को पार कर एवं कई प्रकार की गवेषणा करते हुए २१ दिनों तक लगातार जाप-अनुष्ठान कर प्रभु पर प्रथम वासक्षेप करते हुए प्रतिमा में प्राण संचार किया, तथा गुरुदेव ने इस तीर्थ के जीर्णोद्धार की योजना बनाई, और जीर्णोद्धार की बागडौर श्री दीपचंदजी जैन के सुपर्द की गई। विकास का यह कार्य काफी कठीन और जटील था परन्तु श्री जैन के लिए असंभव नहीं था।

जिस समय मंदिर में निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ था उस समय भौगोलिक दृष्टि से यह स्थल काफी अवनत था। भयावाह जंगलो का माहौल, छोटे छोटे पहाडी टीले, असंख्यात खजूर के वृक्ष और जंगली जानवरों का पग पग खतरा... परिस्थिति तो यही बयान करती थी कि यहाँ पर ऐसा कुछ हो ही नही सकता जो आज दिख रहा है। परन्तु असाधारण प्रतिभा के धनी श्री दीपचंदजी जैन ने इस भयावाह जंगल मे मंगल करने के लिए एवं तीर्थ विकास के साथ साथ इस क्षेत्र के विकास की गंभीर चुनौतियों का अंगीकार करते हुए विकास की ओर अपने कदम बढ़ाये।

यहाँ आने का मार्ग अत्यन्त दुर्गम था। विकास के रथ को इन पथरीली और कंटीली राहों पर आगे बढाने की गंभीर चुनौती श्री दीपचंदजी जैन के समक्ष मुह बायें खडी थी। मंदिर के नाम पर भगवान के सर पर ऐसा गुम्बदनुमा छत्र था जैसा कि किसी व्यक्ति के सर पर छाता हो। मात्र ४०० वर्गफीट की जगह में भगवान पार्श्वनाथ प्रभु विराजित थे। ऐसी परिस्थिति में तीर्थ के विकास की बात अंधेरे में तीर छोडने के समान थी।

परन्तु तीर्थ के हाजर हजुर अधिष्ठायक देवों के चमत्कारों एवं गुरुदेवों के सतत आशीर्वाद से एवं श्री जैन को कराये गये आभास से यह प्रतित होने लगा कि यह तीर्थ एक दिन महान् तीर्थ बनकर पूरे विश्व में अपनी प्रसिद्धि की पताका लहराऐगा। दृढ निश्चय, निर्भयता, दीर्घ दृष्टि एवं सामंजस्यता ने श्री जैन की पग पग पर लडने की क्षमता को विकसित किया, तथा तीर्थ के विकास में आई हर कठिनाई को दूर कर आज वह सब कुछ संभव हो पाया जो शायद कोई सपने में भी सोच न सकें।

उस स्थिति में जबकि तीर्थ के कोष में एक पैसा भी नहीं हुआ करता था, मुंबई-मद्रास जैसे शहरों में बहु मंजीलें ईमारते चढने के बाद भी १००-१०० रूपये का अनुदान बमुश्किल प्रात होता था। सप्ताहभर तक रूको तब कहीं जाकर ५ से ७ हजार रूपये एकत्रित होते थे। तीर्थ के निर्माण के लिए शुरूआती दौर में आर्थिक सहयोग के लिए श्री जैन को काफी संघर्ष करना पड़ा, संघर्ष की इस श्रृंखला में समाजसेवी श्री बसंतिलालजी डांगी ने अपना भरपूर सक्रीय सहयोग प्रदान किया।

भगवान श्री पार्श्वनाथ की असीम कृपा एवं भूमि का उदयकाल था कि उस समय से अब तक यात्रीयों का आना जाना इस तीर्थ स्थल पर निरन्तर रूप से चालु है। लोकल ट्रेन से समीप के रेल्वे स्टेशन पर उतर कर पैदल ही उबड खाबड नदी को पार करके तीर्थ स्थल तक पहुंचने की यात्रा आज एक्सप्रेस गाडीयों की यात्रा में बदल गई है।

किसी ने सोचा भी न होगा कि मात्र पचास वर्षो के समयान्तराल में इस तीर्थ का नक्शा गांव के पैमाने से बदलकर विश्व के मानचित्र पर केन्द्रित होगा। उस समय नागेश्वर का नाम ढूंढकर यात्री यहाँ पहुंचते थे और आज नागेश्वर की एक झलक के लिए आपको इसकी वेब साईट तक पहुंचना मात्र है।

विशाल मंदिरो का देवलोक और सुविधाओ से संपन्न धर्मशाला, आवासीय भवन और भोजनशालाएँ आदि के साथ ही आवश्यक व्यवस्था संपन्न तंत्रो को खडा कर कुशलता पुर्वक उनको संचालित करने का अथक श्रम करने वाले श्री दीपचंदजी

जैन को हालांकी प्रबुद्ध समाज द्वारा समय समय पर विभिन्न सम्मान, अभिनंदन ग्रंन्थ आदि भेंट कर उनका सामाजिक बहुमान किया गया परन्तु वे सब सम्मान श्री जैन के कद से दिन प्रतिदिन छोटे होते गये।

न सिर्फ जिन मंदिरों एवं तीर्थ का विकास बल्कि क्षेत्र के विकास हेतु विद्यालय एवं बड़े बडे सुविधायुक्त चिकित्साल्य भवनों का तथा पुल पुलिया डामरीकृत मार्ग आदि का निर्माण, रोजगार उपलब्ध कराना, आलोट एवं चौमहला में धर्मशाला भवनों का निर्माण, उन्हेंल में पुलिस थाना निर्माण, आलोट में महाविद्यालय का निर्माण, जनता की सुविधा के लिए प्रतिक्षालय निर्माण, अथक प्रयास कर कई एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज, गॉव को सडक, बिजली एवं पानी की सुविधा मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना तथा उन्हेंल नागेश्वर में मार्केट निर्माण। आदि कई ऐसे समाज सेवा के कार्यो में श्री जैन ने अपनी तन-मन-धन से सहयोग देकर समाज सेवा की मिशाल कायम की है। जिससे जन जीवन के स्तर में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है।

क्षेत्रिय जनता एवं निर्धन, असहाय व्यक्तियों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध करवाना, छात्रों को छात्रवृत्ति, प्रतिभावान छात्रों को उच्च स्तर के अध्ययन हेतु आर्थिक सहायता, प्रोत्साहन एवं पुरूस्कार, मेडीकल एवं सर्जिकल यथा नेत्र शिविर, विकलांग शिविर, मनोरोग शिविर आदि का आयोजन, गंभीर बिमारीयों में आर्थिक सहयोग के साथ बडे अस्पतालों को अनुशंसा आदि श्री जैन की दैनिक जीवन चर्या के हिस्से रहे है।

साथ ही श्री जैन ने विश्व प्रसिद्ध श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ का अकल्पनीय विकास एवं निर्माण के साथ ही भारत भर के शताधिक अन्य जैन अजैन मंदिरों एवं उपाश्रय भवनों का नवनिर्माण, ऐतिहासिक धरोहरों का जीर्णोद्धार, विशालकाय धर्मशालाओं का निर्माण आदि अनुमोदनीय कार्यो में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभाने के कारण राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह पुरूस्कार, अ.भा.जैन श्वेताम्बर श्री संघ द्वारा ''दीपज्योति'' अभिनंदन ग्रन्थ भेंट कर सम्मानित करना, धार्मिक क्षेत्र में सौ से अधिक संघों द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान, जिन शासन की अमूल्य सेवाओं के लिए समग्र जैन समाज की ओर से ''जैन रत्न ''पद आदि कई सम्मान के आप हकदार बने है।

यह किंवदंती है कि प्रत्येक सफल पुरूष की सफलता के पीछे किसी स्त्री का हाथ रहता है। श्री जैन की सबसे बड़ी प्रेरणा स्त्रोत एवं सहयोग की सफल मार्गदर्शिका उनकी धर्मपरायण धर्मपत्नि श्रीमती सीताबाई जैन रही है। सुख और दु:ख में श्री जैन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली तपस्वीरत्ना श्रीमती जैन ने श्री जैन को परोपकार एव सेवा के कार्यो में सदैव प्रोत्साहित कर उनका सहयोग दिया। ऐसी महान् धर्मपत्नि का सहयोग श्री जैन के लिए अद्यवत संबल बना हुआ है। जो अनुमोदनीय है।

श्री नवीन भाई द्वारा
श्री नागेश्वर तीर्थ विकास में विशिष्ट सहयोग

श्री नवीनभाई सन् 1985 से श्री नागेश्वर तीर्थ से भी सक्रीय रूप से जुड़े हुए है। श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु पर अटुट श्रृद्धा का प्रभाव है कि इस तीर्थ के विकास एवं उत्थान में पूर जोर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने न सिर्फ स्वयं की संपत्ति का सदुपयोग इस तीर्थ के विकास में किया अपितु अन्य दानदाताओं को भी इस महते आयोजन से जोडने का भगीरथ प्रयास किया। वर्तमान में ट्रस्ट मण्डल में अध्यक्ष के पद पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे है। श्री महेता ने इस तीर्थ के विकास को उत्तरोतर गति देने में अपना अमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन सदैव प्रदान किया है, जो अनुमोदनीय एवं स्तुत्य है , उनके द्वारा संपादित तीर्थ विकास के कार्यो का आंशिक विवरण निम्न अनुसार है –

* श्री नागेश्वर तीर्थ में भव्य गगन चुंबी २४ देहरीयों के निर्माण में श्री नवीनभाई का अभुतपूर्व सहयोग रहा है, भूमि क्रय से लेकर जिनालयों के निर्माण की आकर्षक योजना तैयार कर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसी प्रकार श्री सिद्धचक्र मंदिर के निर्माण में श्री महेता ने सहयोग मार्गदर्शन प्रदान किया।

* तीर्थ स्थल पर यात्रीयों के ठहरने हेतु अत्याधुनिक पालनपुर यात्रिक भवन के निर्माण में श्री नवीनभाई ने अभूतपुर्व सहयोग प्रदान किया। साथ ही तीर्थ स्थल पर सिद्धाचल यात्रिक भवन, चिंतामणी यात्रिक भवन, आदि कई विशालकाय धर्मशालाओं का निर्माण आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ।

* तीर्थ यात्रीयों हेतु नविनीकृत भोजनशाला हॉल के नवीनीकरण तथा आधुनिक आयंबिल शाला भवन के निर्माण में भी स्वयं सहीत दानदाताओं के माध्यम से सहयोग प्रदान कराया।

* आलोट नगर में स्थित श्री चन्द्रप्रभु स्वामी मंदिर में आपने मूलनायक प्रभु की स्थापना के साथ ही कायमी ध्वजादण्ड कलश का आदेश एवं प्राणप्रतिष्ठा का अनुमोदनीय लाभ लिया।

* चौमहला नगर में यात्रीयों के ठहरने हेतु सुविधा युक्त विशाल अतिथि भवन के निर्माण में सहयोग दिया तथा भवन का उद्घाटन आपके करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

* तीर्थ स्थल पर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्य, धर्मशालाओं के नवीनीकरण, परिवर्तन एवं विकास के लगभग सभी आयोजनों मे श्री महेता का सहयोग हमें सतत रूप से प्राप्त हो रहा है।

* इस क्षेत्र में विकास की सौगात के रूप में आलोट नगर में ''श्री नवीनचन्द्र डी. महेता शासकीय महाविद्यालय'' का निर्माण करवाकर म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिहं चौहान के करकमलों से उक्त भवन का विधिवत् उद्घाटन कराया गया।

श्री नवीनभाई ने नागेश्वर तीर्थ के विकास एवं उत्थान में जो सहयोग मार्गदर्शन प्रदान किया है उसकी व्याख्या शब्दों से परे है। समय समय पर तीर्थ के विकास में आपका सहयोग मार्गदर्शन अनवरत रूप से प्राप्त हो रहा।

अर्धशताब्दी के अनुठे अवसर पर अन्तर कामना...

पुरूषादानीय पार्श्वनाथ महाप्रभु का नाम वर्तमान चौवीसी में सबसे ज्यादा विख्यात हुआ, उसका एक मात्र कारण है पूर्वभव या देवभव में मनाये गये तीर्थंकर भगवंतो के 500 कल्याणकों का महोत्सव, जिसके प्रभाव से प्रभु को आदेय नाम कर्म का उपार्जन हुआ... जो आज वर्तमान में साक्षात् परिलक्षित हो रहा है।

आज वर्तमान में जो भी तीर्थ या महातीर्थ स्थित है अथवा बन रहे है, उनमें से अधिकांश तीर्थ नायक प्रभु श्री पार्श्वनाथ स्वामी ही दृष्टि गोचर होते है, तथा उसमें भी सोने में सुहागा के समान श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु के नाम वाले तीर्थो का संख्या असीमीत है जो प्रभु की महिमा को विश्वव्यापी होने का परिचय देती है।

एक बात स्मरण योग्य है कि फणा युक्त खड्गासन मुद्रा में स्थित/ प्रतिष्ठित प्रतिमा के जहाँ जहाँ भी दर्शन होते है वहाँ वहाँ ऐसा आभास होता है कि वे "श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ" की ही प्रतिमा है, "दादा" की ऐसी ही पहचान हर श्रद्धालु के मन मंदिर में प्रतिष्ठित हो गई है।

मैं स्वयं को धन्य महसुस कर रहा हूँ, एवं बहुत प्रफुल्लित भी हूँ, क्यों की विश्व विख्यात नागेश्वर दादा की जाहोजलाली दिनों दिन अनवरत रुप से बढती जा रही है, जिसकी प्रतिष्ठा मेरे दादा गुरुदेव पंन्यास श्री अभयसागरजी म.सा. के वरद् हस्तों से संपन्न हुई है, एवं आज 50 साल के बाद "दादा" का अर्ध शताब्दी महोत्सव मेरे गुरुदेव श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. की परम पावन निश्रा में आयोजित हो रहा है, जिसमें विशेष तौर से इस तीर्थ के उद्भव एवं विकास को लेकर आकर्षक नाटीका भी प्रस्तुत की जा रही है, जो इस तीर्थ के उत्थान की झलक के साथ विकास गाथा को भी दिग्दर्शित करेगी।

अन्त में पुस्तक प्रकाशन का कार्य मेरे शिष्य मुनि धैर्यचन्द्रसागर म. कर रहे है, वो मेरे लिए आनंद का विषय है। मुझे भी इस पावन अवसर पर "अन्तर कामना" लिखने का सौभाग्य मिला, इसकी मैं अन्तकरण से अनुमोदना करता हूँ।

आ. सौम्यचन्द्रसागरसूरि

लाखों श्रद्धालुओं की आस्था एवं श्रद्धा का केन्द्र
श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ

वर्तमान मे समग्र जिन शासन का शायद ही कोई ऐसा जैन बंधु होगा, जिसने श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की 'जीवंत प्रतिमा' के अथवा चित्र के दर्शन न किये हो। जग जयवंता पुरुषादानीय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की महिमा अपरम्पार है। आज यह तीर्थ न केवल लाखों जैनों अपितु करोडों जन-जन की श्रद्धा एवं आस्था का प्रतिक बन चुका है। इस तीर्थ ने मात्र 50 वर्ष के अल्प समय मे ही भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास के जो आयाम स्थापित किये है, उसका एक स्वर्णिम इतिहास है। ''चमत्कार को नमस्कार'' की लोकोक्ति ने भी श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ मे अपना मूर्त रूप लिया है। उस पर अलग से एक विशाल ग्रन्थ लिखा जा सकता है। अस्तु इसका एक मात्र श्रेय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा की अद्भुत-अतूलनीय-अद्वितीय-अनूपम प्रतिमा का है, जिसके अचिंत्य प्रभाव से एवं दर्शन मात्र से परम शान्ति का अनुभव होता है। अन्य मतावलम्बियों से श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की उक्त प्रतिमा की प्राप्ति के संघर्ष से लेकर इस तीर्थ की नींव से शिखर तक का मैं साक्षी रहा हूँ। यह मेरा परम सौभाग्य है कि मैं इस तीर्थ के विकास मे निमित्त बना हूँ। इस तीर्थ के विकास मे तीर्थ उपदेशक-मार्गदर्शक गुरु भगवंतो का उपदेश, अनेकानेक साधु-साध्वीजी भगवंतो के आशीर्वाद तथा ''तेरा तुझको अर्पण'' की भावना के साथ हजारों-लाखों प्रभु भक्तों ने प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अपना जो योगदान दिया है, वह अनुमोदनीय है।

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ प्रतिष्ठा की अर्धशताब्दी स्वर्ण जयन्ति के अवसर पर मैं अपने सहयोगीयों के साथ ही मेरी श्राविका सीतादेवी तथा परिवारजन का भी आभारी हूँ, जिन्होनें मुझे हर समय सहयोग दिया है। इस अवसर पर मेरी और से सभी प्रभु भक्तों को सादर प्रणाम ! आपकी श्रद्धा-भक्ति को नमन !

दीपचंद जैन ''सचिव''
श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ

महा सागर का बिन्दु से मिलन श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ

हजारों वर्षों से यह कहावत प्रचलित है कि वर्षा की एक-एक बूंद नदी-नालों से होती हुई महासागर मे जाकर विलिन हो जाती है, लेकिन इस कहावत ने देश के मध्य मे स्थित श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ मे अपना विपरित रूप लिया है। यहां न केवल महासागर के किनारे बसे मुम्बई, चैन्नई, सूरत आदि महानगरों के प्रभु भक्तों ने अपितु सम्पूर्ण भारतवर्ष के गांव-गाव, नगर-महानगर के भक्तों ने आकर अपने आपको धन्य किया है। वर्तमान मे भारत के सर्वाधिक भक्तों के आगमन के रूप मे विश्वविख्यात श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ किसी परिचय का मोहताज नही है। इस तीर्थ मे श्रद्धालु भक्तों ने दान की गंगा बहाकर भी एक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। 'श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु मेरे है-मै भी नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु का हूँ।' ऐसे भाव लेकर श्री नागेश्वर प्रभु को अपने रोम-रोम मे बसाकर दर्शनार्थी यहां से प्रस्थान करते है। यदि कहू तो अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यहां आकर आत्मा का परमात्मा से मिलन हो जाता है। यही इस तीर्थ की उपलब्धि है। इस तीर्थ के संचालन से में वर्षों से जुडा हूँ। इस तीर्थ के विकास में, इस तीर्थ मे आने वाले साधू-साध्वीजी के वैयावच्च मे, श्रावक-श्राविकाओं की सेवा में जो भी कुछ सहकार कर सका हूँ, वह मेरे प्रबल पुण्य उदय का कारण है। यही भावना है कि जब भी मानव का जन्म मिले, मुझे श्री नागेश्वर दादा का साथ मिले।

अंत में... श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ प्रतिष्ठा के अर्धशताब्दी वर्ष के अवसर मे सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई देते हुए मंगल कामना करता हूँ कि श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा हमारा हाथ हमेशा पकडे रखना, दादा ही हमे इस भवसागर से पार लगा देगें।

नवीनभाई मेहता 'अध्यक्ष'
श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ

200 से अधिक जिनालयों के निर्माण मे श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ की महत्वपूर्ण भूमिका

मालवा की धन्य धरा का यह सौभाग्य है कि इस भूमि से महाराजा सम्प्रति ने सम्पूर्ण भूमण्डल को जिन मन्दिरों से मण्डित कर जिन शासन के स्वर्णिम इतिहास का निर्माण किया है। सवा लाख जिन मन्दिर का नवनिर्माण तथा सवा करोड़ जिन बिम्ब भराने वाले महाराजा सम्प्रति की धरा ने कालान्तर में पेथडशाह-झांझणशाह जैसे दानवीरों को भी जन्म दिया है, जिनहोनें 84 प्राचीन जिन मन्दिरों के जीर्णोद्धार के साथ ही माण्डवगढ मे 700 जिन मन्दिरों के निर्माण अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। उज्जयिनी के 500 सामंतो द्वारा 500 जिनालयों का निर्माण भी जिन शासन के इतिहास का एक स्वर्णिम पृष्ठ है। इसी कडी मे एक और इतिहास का निर्माण श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ द्वारा रचा गया है। अपनी पुन: प्रतिष्ठा के मात्र 50 वर्ष के अल्प काल मे श्री नागेश्वर तीर्थ द्वारा विश्वभर के 200 से अधिक जिनालयों के जीर्णोद्धार-नवनिर्माण मे अपना विशिष्ट सहयोग कर ''दानदाता'' बनकर मालवा की छवि को उज्जवल किया है। यहां यह स्मरणीय है, कि श्री नागेश्वर तीर्थ ने निर्माण के प्रारम्भिक वर्षो मे अनेक आर्थिक समस्याओं-संघर्षो का सामना किया है। पूज्य पिताजी ने देशभर मे घूम-घूमकर अपनी झोली फैलाकर एक-एक रुपया तक दान स्वीकार किया है। यह पुरुषादानीय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा का ही अचिंत्य प्रभाव है कि आज यह तीर्थ भारत के मुख्य तीर्थो मे अपना विशिष्ट स्थान रखता है।

आगे चलकर... एक बार दादा के दर्शन करने पर श्रद्धालुभक्त मंत्रमुग्ध हो जाते है, और अपनी समस्या का समाधान पाकर फुले नहीं समाते है, तथा कर्मो की बेडीयाँ तोड देते है... मानो भाग्योदय हुआ, ऐसा एहसास होता है। ऐसे चमत्कारीक दादा एवं भक्तों की भक्ति का अवसर मुझे मिला है, इसके लिए अपना जीवन कृतार्थ मानता हूँ।

अंत में... माता पिता द्वारा दिये गये धर्म संस्कारों के साथ ही बडे भ्राता श्री मोहनलालजी जैन का समय-समय पर प्रदत्त मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहयोग मेरे लिये संबल बना हैं। इसी वजह से मैं नागेश्वर तीर्थ की अद्यवत्त सेवा कर रहा हुँ एवं आजीवन करता रहुँ, ऐसी प्रभु एवं गुरु से प्रार्थना करता हूँ।

धर्मचन्द जैन 'सहसचिव''
श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ

जैन तीर्थ
श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ
उन्हैल
संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित एक ऐतिहासिक जैन तीर्थ जो नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के नाम से विख्यात है, प्रभु ने 30 वर्ष की उम्र में संयम का स्वीकार किया और विहार करते हुए कौस्तुभ वन में कायोत्सर्ग मुद्रा में खडे रहकर ध्यान मग्न हो गये। उसी समय धरणेन्द्र का वन्दन के लिए आगमन हुआ, प्रभु को तेज धूप में खडे हुए देखकर भक्ति से नाग का रूप धारण कर उन पर फणों का छत्र बनाकर ध्वजा कर दी। ध्यान पूरा हुआ तब प्रभु अन्यत्र विहार कर गये, तब धरणेन्द्र ने वहाँ अहिच्छत्रा नगरी बसाकर भगवान के देह प्रमाण की पन्नारत्न की फणा सहित प्रतिमा की स्थापना की। कालान्तर में यह अहिच्छत्रा नगरी चोर डाकु के भय से उजड गई। पश्चात नागेश्वरगच्छ के आचार्य ने अपने तपोबल से धरणेन्द्र को प्रत्यक्ष करके प्रार्थना की कि कलियुग में रत्न की प्रतिमा की सुरक्षा सम्भव नहीं है। अत: आप इसे पाषाण प्रतिमा के रूप में परिवर्तित कर दे। जिससे भविष्य में प्रतिमा को कोई तोडे फोडे नहीं और ना ही चुराने का प्रयास करें और पूजा भक्ति भी होती रहे। तब से यह प्रतिमा गहरे हरे रंग की ग्रेनाईट स्टोन की बन गयी।

अहिच्छत्रा नगरी उजड जाने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से यह प्रतिमा अधिष्ठायक देव द्वारा उन्हैल गाँव में गुप्त कर दी गई। यह समय इस गाँव का नाम पारसपुर था। वहाँ के राजा अजितसेन व पद्मावती रानी नि:संतान थे, संयोगवश नागेन्द्रगच्छ के आचार्य भगवंत यहाँ पधारे, राजा रानी ने दर्शन वंदन व सेवा का लाभ लिया एवं आचार्यश्री से संतान प्राप्ति का उपाय पूछा, तब विरक्त वैरागी आचार्यश्री ने श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की भक्ति करने का उपदेश दिया और आचार्यश्री विहार कर गये। राजा ने अपनी साधना-आराधना-तपश्चर्या से धरणेन्द्रदेव को प्रत्यक्ष किया, धरणेन्द्र ने स्वप्न में राजा को प्रतिमा की जानकारी दी। राजा ने गाँव के बाहर अशोक वृक्ष एवं आम्र वृक्ष से आच्छादित झरने के समीप वाले टीले पर पाँच हाथ भूमि खुदवाई और वहाँ से 14 फिट उंची विशाल प्रतिमा निकलवाई और दर्शन व पूजा की। पूजा से राजा की मनोकामना पूर्ण हुई।

तब राजा ने वहाँ एक विशाल मंदिर बनाया और नागेन्द्रगच्छ के आचार्यश्री से प्रतिष्ठा करवाई साथ ही मंदिर की व्यवस्था के लिए दो सो बीघा जमीन भी भेंट दी। राजा की मृत्यु के पश्चात् यवनों ने इस नगर को कई बार लुटा और मंदिर को भी ध्वस्त करा। कालान्तर में वि.सं.1264 में नागेन्द्रगच्छ के आचार्यश्री अभयदेवसूरिजी म.सा. के सदुपदेश से पुन: इसका जिर्णोद्धार हुआ व प्रतिष्ठा हुई, तब नाम नागेश्वर या पारसपुर प्रचलित हुआ। प्रतिमा के उपर फणों वाला छत्र देख कर गाँव के लोग इन्हें नागों के नाथ या नागबाबा एवं नागबाबा की उन्हैल से भी जानते। भगवान के मस्तक पर वर्षो से एक नाग रहता है जो कि विशिष्ट पुण्यशाली को ही कभी कभी श्वेत या असली रंग के समान आज भी दर्शन देते है।

कालान्तर में आंजना व पिण्डारियों जाति के लोगों द्वारा लुटपाट की, श्रावकों के खुब घर थे, पर स्वयं को असुरक्षित समझकर सभी पलायन कर गये, परिणाम स्वरूप तीर्थ व्यवस्था एक यति के हाथों में सौपी गई बाद में उसी मूर्ति पर कब्जा करके चुना व सिंदुर बाबा द्वारा पोत दिया गया, और टोना टोटका डोरा धागा करने लगे। संयोगवशात् 50-60 वर्ष पूर्व पू. उपाध्याय धर्मसागरजी म.सा. उन्हैल पधारे, नाग बाबा की प्रतिमा देखी तो देखते ही विचार किया कि यह तो पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा है, तब पू. उपाध्याय म.सा. ने इन्दौर, आलोट, भवानीमंडी, डग, चौमहला, रूणिजा के श्रावकों को बुलाया और उनसे बात करी की यह अपने भगवान है, उसी समय रूणिजा के सुश्रावक श्री बसंतिलालजी डांगी व उन्हैल तीर्थ के सुश्रावक दीपचंदजी जैन से परिचय हुआ और तीर्थ का कार्यभार उन्हें सौंपा गया, उनका भी सराहनीय योगदान रहा। यह केस कोर्ट में गया, 18 वर्ष तक केस चला फिर न्यायालय द्वारा तीर्थ जैन श्वेताम्बर घोषित हुआ, इस बिच वि.सं.2023 की सामुदायिक चैत्री ओली के पश्चात पू. उपाध्यायजी म.सा. की आज्ञा से पू.पं. श्री अभयसागरजी म.सा. का उन्हैल पदार्पण हुआ, गाँव के ठाकुर, किसान, ब्राह्मण आदि सभी जैनेत्तर लोगों को अवगत कराया, जिससे सभी ने एक आवाज उठाई कि यह जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ को यह तीर्थ सौप दिया जाता है, तब से तीर्थ के जिर्णोद्धार व भावी विकास की योजनाएँ क्रियान्वित हुई। मंदिर का कार्य पूर्णता पर आने पर पू.उपा. धर्मसागरजी म.सा. के शिष्यरत्न पू.पं. श्री अभयसागरजी म.सा. एवं पू.मुनि श्री अशोकसागरजी म.सा. आदि ठाणा पधारे, अट्ठाई महोत्सवपूर्वक शानदार महोत्सव चला एवं वैशाख वद दशमी, शनिवार, दि.30.5.1970 को खुब धूमधाम से हजारों जन मैदिनी की उपस्थिति में नागेश्वर दादा की प्रतिष्ठा हुई। पू.पं. श्री अभयसागरजी म.सा. के वरद् हस्तों यह प्रथम प्रतिष्ठा हुई।

उसके बाद सोने में सुहागा जैसे नागेश्वर दादा के आसपास अन्य गभारों में भगवान को बिराजमान करने की योजना बनी, यह दूसरी प्रतिष्ठा दि.10.5.1971 को पू.आ. श्री चन्द्रोदयसूरिजी म.सा. व पू.गणिवर्य श्री अशोकसागरजी म.सा. आदि चतुर्विध संघ की उपस्थिति में प्रतिष्ठा हुई। मंदिर को ओर भव्य बनाने हेतु भिलडीयाजी पार्श्वनाथ भगवान आदि 24 जिनेश्वर भगवान की प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तय हुआ, यह तीसरी प्रतिष्ठा समर्थ गच्छाधिपति आ. श्री सूर्योदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. एवं आ. श्री दौलतसागरसूरीश्वरजी म.सा., आ. श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक प.पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा. के मार्गदर्शन अनुसार सानंद संपन्न हुई।

विभाग ए-तीर्थधाम

1- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, भद्रंकर नगर
2- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, मगदल्ला-सूरत
3- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उपरियाला तीर्थ
4- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय-पौरूर तीर्थ
5- श्री नागेश्वर पार्श्वजिन प्रासाद, श्री मेरूधाम तीर्थ
6- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ, श्री पार्श्वप्रेमधाम, राजकोट
7- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ धर्मधाम जैन तीर्थ-खवाडा
8- श्री नागेश्वर पार्श्वधाम, दावणगिरि-कर्नाटक
9- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तारक तीर्थधाम, लालुखेडी
10- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम-जम्मु
11- श्री धर्मधाम नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, दुर्वेश-पालघर
12- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय- सांकलीबा तीर्थधाम
13- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, नाना पोसीना

विभाग बी-जिनालय/कुलिका

14- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, घाटकोपर-वेस्ट
15- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, रतलाम
16- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, प्रतापगढ़
17- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उज्जैन
18- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, अंधेरी पम्प हॉउस
19- श्री वीरमणी नागेश्वर पार्श्वनाथ शिवपुर-मातमोर
20- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ शत्रुंजय जिनालय, सूरत
21- श्री नागेश्वर पार्श्व, शिखर गर्भगृह, कैलासनगर, सूरत
22- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ, नवरंगपुरा-अहमदाबाद
23- श्री ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, इन्दौर
24- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ कुलिका, नरोडा, अहमदाबाद
25- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ कुलिका, पालडी-अहमदाबाद
26- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ कुलिका, लक्ष्मीवर्द्धक, पालडी

विभाग सी-रंगमण्डप

卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐

27- श्री वासुपूज्य, अमरेली-सूरत
28- बाबु अमीचंद पन्नालाल, वालकेश्वर
29-जम्बूद्वीप, पालीताणा
30- अकोटा, बडोदरा
31- श्री गौडीजी, पुणे
32- त्यागराजनगर, बैंगलुरू
33- वही पार्श्वनाथ,
34-पार्ले ईस्ट, चिंतामणी
35- श्री महावीरस्वामी, गोपीपुरा-सूरत
36- अमरावती बडा मन्दिर
37- गोवालिया टैंक
38- प्रार्थना समाज
39- विलेपार्ला (वेस्ट)
हरेशभाई जवेरी गृह जिनालय
40 - झीलवाडा, आदिनाथ
41- श्री कुंथुनाथ, पुणे
42- श्री चिंतामणी पार्श्व, प्रतापगढ़
43- श्री सौभाग्य रेसी, पाल-सूरत
44- माटुंगा, अचलगच्छ मन्दिर
45- दादर ज्ञान मन्दिर
46- श्री पार्श्वपुरम्, माणगांव
47- रायल केम्पस, इन्दौर
48- केशरियाजी, पालीताणा
49- समेतशिखर, सांवलिया
50- मरीन ड्राईव्व, गृह जिनालय
51- वेसु, सुरत
52- श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ (इन्दौर) नागेश्वरतीर्थ

卐 卐 卐 卐 卐 卐 卐

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, भद्रंकरनगर

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, भद्रंकरनगर**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2043, वैशाख सुद ६
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जितेन्द्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	99 इंच द्वि लेयर फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भद्रंकरनगर, लुणावा, जिला पाली, राजस्थान-306706.
संपर्क	:	02938-252228/9821215825

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, मगदल्ला-सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, मगदल्ला-सूरत**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2045, पौष वद 1, गुरुवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सुबोधसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्वेत
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, मगदल्ला, डूमस रोड, सूरत, गुजरात-395007.
संपर्क	:	9374717211

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उपरियाला तीर्थ

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उपरियाला तीर्थ**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित दर्शनीय प्रतिमा
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2054, वैशाख सुद 14
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री हिमांशुसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	स्वर्ण पंचधातु
ऊंचाई	:	150 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री उपरियालाजी तीर्थ, सेठ आणंदजी कल्याणजी पेढी, मु. उपरियाला, व्हाया विरमगाम, जिला सुरेन्द्रनगर, गुजरात-382765.
संपर्क	:	9375812122/9427087474

पुरुषादानीय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, पौरूर

जिनालय का नाम	:	**पुरुषादानीय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, पौरूर**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित अति प्राचीन प्रतिमा
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2058, ज्येष्ठ सुद 3, दि.23.5.2002
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री स्थूलभद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	54 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	पुरुषादानीय श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री पौरूर तीर्थ, पुन्नी नगर, 15/166, जैन कोईल स्ट्रीट, कारम्बाक्कम्, पौरूर, जिला कांचीपुरम्, बृहद् चैन्नई, तमिलनाडु-600116.
संपर्क	:	9884260090

श्री नागेश्वर पार्श्व जिन प्रासाद, श्री मेरूधाम तीर्थ

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्व जिन प्रासाद, श्री मेरूधाम तीर्थ**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2059, माघ वद 3, बुधवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री इन्द्रसेनसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	163 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्व जिन प्रासाद, श्री मेरूधाम जैन तीर्थ, आ. श्री मेरूप्रभसूरि स्मारक न्यास, मुकाम अमियापुर, पोस्ट सुघड, जिला गांधीनगर, गुजरात-382424.
संपर्क	:	9998673345

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, श्री पार्श्वप्रेमधाम, राजकोट

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, श्री पार्श्वप्रेमधाम, राजकोट**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	दि.2.3.2006
प्रतिष्ठाकारक	:	**गच्छाधिपति पू. आ. श्री प्रेमसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	162 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, श्री पार्श्वप्रेमधाम, सेठ नगर के सामने, ग्राम घण्टेश्वर, राजकोट-जामनगर राजमार्ग, जिला राजकोट, गुजरात-360006.
संपर्क	:	0281-6993013/9090057890

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ धर्मधाम जैन तीर्थ-जखवाडा

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ धर्मधाम जैन तीर्थ-जखवाडा**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	माघ सुद 10, गुरुवार, दि.1.2.2007
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री सूर्योदयसूरिजी म.सा., आ. श्री राजरत्नसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	73 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ धर्मधाम जैन तीर्थ, सुश्राविका मीनाबेन राजेन्द्रकुमार दलीचंद पारमार्थिक न्यास, अहमदाबाद-विरमगाम हाईवे, मुकाम पोस्ट जखवाडा, तालुका विरमगाम, जिला अहमदाबाद, गुजरात-382150.
संपर्क	:	9727240000

श्री नागेश्वर पार्श्वधाम, दावणगिरि

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वधाम, दावणगिरि**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2067, आषाढ वद 11, दि.15.6.2012
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जिनोत्तमसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	नील
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्व-भैरव धाम, दावणगिरि, श्री नागेश्वर पार्श्व भैरव धाम जैन श्वेताम्बर न्यास, 418/91, पी.बी. रोड, पोस्ट अवरगरे, जिला दावणगिरि, कर्नाटक-577033.
संपर्क	:	9738026210

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तारक तीर्थधाम, लालुखेडी

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तारक तीर्थधाम, लालुखेडी**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2069, पौष सुद 15
प्रतिष्ठाकारक	:	**पंन्यास श्री वीररत्नविजयजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	61 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तारक तीर्थधाम ग्राम लालुखेडी, तहसील नलखेडा, जिला आगर, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	9425935578

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, जम्मु

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थधाम, जम्मु**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2070, मार्गशिर्ष वद 10
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री नित्यानंदसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	नील
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री आत्मानंद जैन सभा, रेल्वे स्टेशन के पास, जम्मु-180002.
संपर्क	:	9419122895/9419116828

श्री धर्मधाम नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, दुर्वेश-पालघर

जिनालय का नाम	:	**श्री धर्मधाम नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, दुर्वेश-पालघर**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2072, दि.3.2.2015
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री सूर्योदयसूरिजी म.सा., आ. राजरत्नसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	नील
ऊंचाई	:	186 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री धर्मधाम नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, महालक्ष्मी पेट्रोल पंप के पास, मनोर चौकडी से पहले, मुंबइ-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग, मुकाम दुर्वेश गाँव, पोस्ट मनोर, जिला पालघर, महाराष्ट्र-401403.
संपर्क	:	7028630612

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, सांकलीबा तीर्थधाम

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, सांकलीबा तीर्थधाम**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2074, फाल्गुन सुद 3
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री जिनचंद्रसूरिजी म.सा., आ. योगतिलकसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	79 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, सांकलीबा तीर्थधाम, दाठा तीर्थ निवासी चुनीलाल दुर्लभजी धार्मिक न्यास, मुकाम कुण्डवी 'बोरडा', तलाजा-महुवा हाईवे, तालुका तलाजा, जिला भावनगर, सौराष्ट्र, गुजरात-364130.
संपर्क	:	9817116175/9821264642

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, नाना पोसीना

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, नाना पोसीना**
विराजमान	:	कुलिका में मूलनायक के रूप में विराजित
अंजनशलाका	:	वि.सं.2045, **आ. श्री लब्धिसूरिजी**
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2062, माघ सुद 5
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री चंद्रयशसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	72 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री नाना पोसीना पार्श्वनाथ तीर्थ, श्री आनंदजी मंगलजी की पेढी, मुकाम पोस्ट नाना पोसीना, साबली, तालुका ईडर, जिला साबरकांठा, गुजरात-383421.
संपर्क	:	9724572367, ईडर पेढी : 02778-250080

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, घाटकोपर (वेस्ट)

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, घाटकोपर (वेस्ट)**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2057, ज्येष्ठ सुद 5
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री अशोकचंद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	77 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री गार्डन लेन नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, 5-बी, सांई दर्शन, गार्डन लेन, घाटकोपर (वेस्ट), मुंबई, महाराष्ट्र-400086.
संपर्क	:	022-25001077/25001078/9820008686

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, रतलाम

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, रतलाम**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2059, माघ सुद 5, दि.23.1.2003
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जयंतसेनसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	51 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, भोयरा बावडी, रतलाम, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	9893618410

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, प्रतापगढ

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, प्रतापगढ**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2068, मार्गशिर्ष सुद 6, बुधवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री नवरत्नसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	हरा
ऊंचाई	:	72 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, नई आबादी, प्रतापगढ, राजस्थान.
संपर्क	:	9414149003

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उज्जैन

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, उज्जैन**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2069, पौष सुद 6
प्रतिष्ठाकारक	:	**पंन्यासप्रवर श्री वीररत्नविजयजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	108 इंच फणा पबासन सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, अरविंदनगर, तुलसीनगर, उज्जैन, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	0734-2551741/9425092223

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, अंधेरी पम्प हाउस

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, अंधेरी पम्प हाउस**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2069, वैशाख सुद 6
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जयशेखरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन संघ, पारसी कोलोनी के सामने, पम्प हाउस, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई, महाराष्ट्र-400093.
संपर्क	:	9221333360/9016607955

श्री वीरमणि नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, शिवपुर-मातमोर

जिनालय का नाम	:	**श्री वीरमणि नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, शिवपुर-मातमोर**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2074, वैशाख वद 10, शुक्रवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पंन्यासप्रवर श्री वीररत्नविजयजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	85 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री वीरमणि नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री त्रिभुवन पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छ तीर्थ, शिवपुर, मुकाम पोस्ट मातमोर, तहसील बागली, जिला देवास, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	9006674373/9685922004

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ नवग्रह शत्रुंजय जिनालय, सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ नवग्रह शत्रुंजय जिनालय, सूरत**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वैशाख वद 13, रविवार, दि.13.5.2018
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सागरचंद्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	81 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री सिद्धाचल आगमोद्धारक जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, राज वर्ल्ड, एल.पी. सवाणी स्कूल के पास, पालनपोर, केनाल रोड, सूरत, गुजरात.
संपर्क	:	9712924999/9725504292

श्री आदिनाथ जिनालय, कैलासनगर-सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री आदिनाथ जिनालय, कैलासनगर-सूरत**
विराजमान	:	जिनालय के शिखर स्थित गभारे में 'डुंगरपुर से प्राप्त'
प्रतिष्ठा	:	मार्गशिर्ष सुद 13, गुरुवार, दि.3.12.1987
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	45 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री कैलासनगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, कैलासनगर, सूरत, गुजरात-395002.
संपर्क	:	0261-2472956/9825918189

श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय, नवरंगपुरा-अहमदाबाद

जिनालय का नाम	:	**श्री मुनिसुव्रतस्वामी जिनालय, नवरंगपुरा-अहमदाबाद**
विराजमान	:	जिनालय के पास स्थित सामरणबद्ध जिनालय में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2059, वैशाख वद 6, बुधवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	91 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री मुनिसुव्रतस्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री नवरंगपुरा जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, नवरंगपुरा चार रस्ता, अहमदाबाद, गुजरात-380009.
संपर्क	:	079-26569177/9825347401

श्री ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, इन्दौर

जिनालय का नाम	:	**श्री ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, इन्दौर**
विराजमान	:	जिनालय के परिसर के बाहर सामरणयुक्त जिनालय में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2062, माघ सुद 13, गुरुवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पंन्यासप्रवर श्री वीररत्नविजयजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	36 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री ह्रींकार नागेश्वर चौबीसी मंदिर, श्री ह्रींकारगिरि तीर्थ, पेनजॉन फार्म हाउस, एयरपोर्ट रोड, इन्दौर, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	0731-2622333

श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जिनालय, नरोडा-अहमदाबाद

जिनालय का नाम	:	**श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जिनालय, नरोडा-अहमदाबाद**
विराजमान	:	जिनालय के बाहर कुलिका में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2046, माघ सुद 11
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	45 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री गोडीजी पार्श्वनाथ देरासर एवं पद्मावती माताजी ट्रस्ट, मुकाम पोस्ट नरोडा, जिला अहमदाबाद, गुजरात-383030.
संपर्क	:	079-22812286/9898198395

श्री शांतिनाथ जिनालय, पालडी-अहमदाबाद

जिनालय का नाम	:	**श्री शांतिनाथ जिनालय, पालडी-अहमदाबाद**
विराजमान	:	जिनालय के पास स्थित कुलिका में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2055, ज्येष्ठ सुद 11, गुरुवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री देवसूरिजी म.सा., आ. श्री हेमचंद्रसूरिजी म.सा., आ. श्री प्रद्युम्नसूरिजी म.सा., आ. श्री प्रमोदसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	55 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शांतिनाथ जिनालय, श्री मर्चेंट सोसायटी जैन संघ, 27, जैन मर्चेंट सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद, गुजरात-380007.
संपर्क	:	079-26605905/9327082407

श्री शांतिनाथ जिनालय, पालडी-अहमदाबाद

जिनालय का नाम	:	**श्री शांतिनाथ जिनालय, पालडी-अहमदाबाद**
विराजमान	:	जिनालय परिसर के पास निर्मित सामरणयुक्त कुलिका में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2068, मार्गशिर्ष सुद 3, रविवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सागरचंद्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	61 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री लक्ष्मिवर्धक जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, शांतिवन बस स्टेण्ड के पास, नारायणनगर रोड, पालडी, अहमदाबाद, गुजरात-380007.
संपर्क	:	079-26604962/9825024928

श्री वासुपूज्यस्वामी जिनालय, अमरोली-सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री वासुपूज्यस्वामी जिनालय, अमरोली-सूरत**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
अंजनशलाका	:	वि.सं.2037, मार्गशिर्ष सुद 5, **आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा.**
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2038, वैशाख सुद 6
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री कुमुदचंद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, अमरोली चार रस्ता, पुल के पास, अमरोली, सूरत, गुजरात-394107.
संपर्क	:	9924733241/9824155987

श्री बाबु अमीचंद पनालाल आदीश्वर जिनालय, वालकेश्वर-मुंबई

जिनालय का नाम	:	**श्री बाबु अमीचंद पनालाल आदीश्वर जिनालय, वालकेश्वर-मुंबई**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2037, माघ सुद 7
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	33 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री बाबु अमीचंद पनालाल आदीश्वर जैन टेम्पल रीलिजीयस ट्रस्ट, 41, रीझ रोड, तीनबत्ती, वालकेश्वर, मुंबई, महाराष्ट्र-400006.
संपर्क	:	022-23692727

श्री वर्धमानस्वामी जिनालय, जंबूद्वीप-पालिताणा

जिनालय का नाम	:	**श्री वर्धमानस्वामी जिनालय, जंबूद्वीप-पालिताणा**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित कुलिका में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2075, फाल्गुन वद 12
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	रजत
ऊंचाई	:	51 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री वर्धमानस्वामी जिनालय, श्री वर्धमान जैन पेढी, तलेटी रोड, पालिताणा, जिला भावनगर, गुजरात-364270.
संपर्क	:	02848-252307

श्री हसमुखा शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, वडोदरा

जिनालय का नाम	:	**श्री हसमुखा शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, वडोदरा**
विराजमान	:	जिनालय के भूतल स्थित गभारे में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2051, मार्गशिर्ष सुद 6
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा., आ. श्री अशोकचंद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	108 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री हसमुखा शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, श्री अलकापुरी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, 4-A, श्रीनगर सोसायटी, प्रोडक्टिविटी रोड, अकोटा, वडोदरा, गुजरात.
संपर्क	:	0265-2350176/2330625

श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जिनालय, पुणे

जिनालय का नाम	:	**श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जिनालय, पुणे**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2052, ज्येष्ठ सुद 5, बुधवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जयशेखरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	61 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, गुरुवार पेठ, पुणे, महाराष्ट्र.
संपर्क	:	9822022102

श्री महावीरस्वामी जिनालय, बेंगलुरू

जिनालय का नाम	:	**श्री महावीरस्वामी जिनालय, बेंगलुरू**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप के गोखले में विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2052, वैशाख सुद 7, दि.25.4.1996
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री स्थूलभद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	- इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री महावीरस्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री महावीरस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, 137/2, दूसरा मेन, तीसरा ब्लोक, एन.आर. कोलोनी, त्यागराज नगर, बेंगलुरु-560028.
संपर्क	:	9844906079/9964805160

श्री वही पार्श्वनाथ तीर्थ, वही

जिनालय का नाम	:	**श्री वही पार्श्वनाथ तीर्थ, वही**
विराजमान	:	जिनालय परिसर के बाहर स्थित गृह जिनालय में चल प्रतिष्ठित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2053, माघ सुद 3, शुक्रवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**महामहोपाध्याय श्री यतिन्द्रविजयजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	54 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री वही पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ पेढ़ी, पोस्ट वही, स्टेशन पिपलिया, जिला मंदसौर.
संपर्क	:	07424-241430/8989557689

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय, विलेपार्ले (ई)-मुंबई

जिनालय का नाम	:	**श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय, विलेपार्ले (ईस्ट)-मुंबई**
विराजमान	:	भोयरा स्थित रंग मण्डप के गोखले में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2059, माघ सुद 6, शुक्रवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री अशोकचंद्रसूरिजी म.सा., आ. श्री सोमचंद्रसूरिजी म.सा., आ. श्री अरविंदसूरिजी म.सा., आ. श्री मुनिचंद्रसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	61 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री विलेपार्ले जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, 47, महात्मा गांधी मार्ग, विलेपार्ले (ईस्ट), मुंबई, महाराष्ट्र-400057.
संपर्क	:	022-26114002/9820083945

श्री महावीरस्वामी जिनालय, गोपीपुरा-सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री महावीरस्वामी जिनालय, गोपीपुरा-सूरत**
विराजमान	:	भोयरा स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं....
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	36 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री महावीरस्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर, अष्टापद जिनालय के पास, खपाटिया चकला, गोपीपुरा, सूरत, गुजरात-395001.
संपर्क	:	9374714004

श्री पार्श्वनाथ बडा मंदिर, अमरावती

जिनालय का नाम	:	**श्री पार्श्वनाथ बडा मंदिर, अमरावती**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	सन् 2006
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री मणिप्रभसूरिजी म.सा.,** **पू. आ. श्री पियुषसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	48 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री पार्श्वनाथ बडा मंदिर, श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, बर्तन बजार, अमरावती, जिला अमरावती, महाराष्ट्र-444601.
संपर्क	:	9403173797

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, गोवालिया टेंक, मुंबई

जिनालय का नाम	:	**श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, गोवालिया टेंक, मुंबई**
विराजमान	:	भोयरा स्थित श्री सीमंधरस्वामी के गभारे में बांयी ओर विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2064, पौष सुद 13
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री अमृतसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्वेत
ऊंचाई	:	55 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री गोवालिया टेंक जैन संघ, 87, आराधना, अगस्त क्रांति मार्ग, गोवालिया टेंक, मुंबई, महाराष्ट्र-400036.
संपर्क	:	022-23809411

श्री चंद्रप्रभस्वामी जिनालय, प्रार्थना समाज, मुंबई

जिनालय का नाम	:	**श्री चंद्रप्रभस्वामी जिनालय, प्रार्थना समाज, मुंबई**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2065, मार्गशिर्ष सुद 3, रविवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**समर्थ गच्छाधिपति पू. आ. श्री सूर्योदयसागरसूरिजी म.सा., पू. आ. श्री सागरचंद्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	स्वर्ण
ऊंचाई	:	81 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री चंद्रप्रभस्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर, सेठ श्री वाडीलाल साराभाई जैन देरासर न्यास, 186, राजा राममोहन राय मार्ग, प्रार्थना समाज, मुंबई, महाराष्ट्र-400004.
संपर्क	:	022-23827120/23865385

श्री नमिनाथ गृह जिनालय, विलेपार्ले (वे), मुंबई

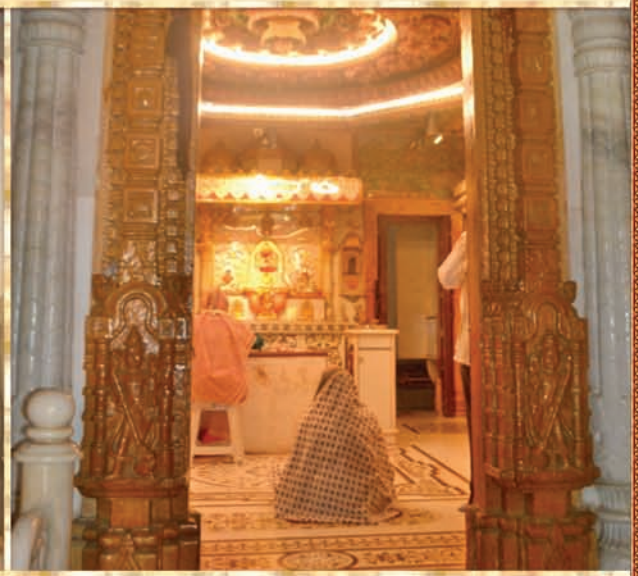

जिनालय का नाम	:	**श्री नमिनाथ गृह जिनालय, विलेपार्ले (वेस्ट), मुंबई**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	सन् 2009
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री अशोकसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	हरा
ऊंचाई	:	65 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नमिनाथ गृह जिनालय, श्री शांतिचंद्र बालुभाई झवेरी धार्मिक न्यास, 379, एस.व्ही. रोड, विलेपार्ले (वेस्ट), मुंबई, महाराष्ट्र-400056.
संपर्क	:	9820126419

श्री आदिनाथ जिनालय, झीलवाडा

जिनालय का नाम	:	**श्री आदिनाथ जिनालय, झीलवाडा**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	दि.7.6.2009
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री पद्मसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	27 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, मुकाम पोस्ट झीलवाडा, जिला राजसमन्द, राजस्थान-313333.
संपर्क	:	9820077122

श्री कुंथुनाथ जिनालय, पूणे

जिनालय का नाम	:	**श्री कुंथुनाथ जिनालय, पूणे**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2067, कार्तिक वद 13, शुक्रवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री विश्वकल्याणसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्वेत
ऊंचाई	:	51 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री कुंथुनाथ जैन श्वे. मंदिर, श्री सुधर्मास्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, 508, गुरुवार पेठ, जुनी तपकीर गल्ली, वंसत सिनेमा के सामने, पुणे, महाराष्ट्र-411002.
संपर्क	:	020-66025960/9271688311

श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जिनालय, प्रतापगढ

जिनालय का नाम	:	**श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जिनालय, प्रतापगढ़**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप स्थित कुलिका में
प्रतिष्ठा	:	वि.सं. 2068, वैशाख सुद
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री वारिषेणसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्वेत
ऊंचाई	:	36 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, साडा बारा मंदिर, खासगी गली, प्रतापगढ़ जिला प्रतापगढ़ राजस्थान.
संपर्क	:	9414149003

श्री ऊंकार ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, पाल-सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री ऊंकार ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, पाल-सूरत**
विराजमान	:	जिनालय के रंग मण्डप में
प्रतिष्ठा	:	मार्गशिर्ष सुद 3, गुरुवार, दि.5.12.2013
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सागरचन्द्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	36 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री ऊंकार ह्रींकार पार्श्वनाथ जिनालय, दीपक आकर जिनालय, श्री आगमोद्धारक जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, सहस्त्रफणा सौभाग्य रेसीडेन्सी, पाल सूरत, गुजरात.
संपर्क	:	9825166522

श्री जीरावला पार्श्वनाथ जिनालय, माटुंगा

जिनालय का नाम	:	**श्री जीरावला पार्श्वनाथ जिनालय, माटुंगा**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले मे विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2074, फाल्गुन वद 3, रविवार, 04.03.2018
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री कलाप्रभसागरसूरिजी, आ. श्री महोदयसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	हरा
ऊंचाई	:	45 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री जीरावला पार्श्वनाथ जिन प्रासाद, शेठश्री पेथराज आणंदजी नागडा स्थापित, श्री माटुंगा बी.बी. अचलगच्छ जैन संघ, जैन भवन, 44/बी. मनोरमा नगरकर मार्ग, भगत गली कार्नर, माटुंगा-वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र-400016.
संपर्क	:	022-24313000

श्री शीतलनाथ जिनालय, दादर (वेस्ट)

जिनालय का नाम	:	**श्री शीतलनाथ जिनालय, दादर (वेस्ट)**
विराजमान	:	रंग मण्डप के बाहर स्थित कुलिका मे
प्रतिष्ठा	:	वि.स.2075, माघ सुद 7, शुक्रवार, दि.14.12.2018
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री पद्मयशसूरिजी, आ. श्री अजितयशसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	27 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, श्री आत्म-कमल- लब्धिसूरिजी जैन ज्ञान मंदिर, एस. के बोले रोड, दादर (वेस्ट), महाराष्ट्र-400028.
संपर्क	:	022-2422722/9820187764

श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय, पार्श्वपुरम्

जिनालय का नाम	:	**श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय, पार्श्वपुरम्**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित कुलिका मे
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.2074, माघ वद 4
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सागरचन्द्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	27 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री अभय पार्श्वनाथ जिनालय, श्री पार्श्वपुरम् तीर्थ, मुकाम पोस्ट लोणार, मुम्बइ-गोवा रोड, माणगांव, कोंकण, महाराष्ट्र.
संपर्क	:	9423382843, श्री प्रकाशभाई : 8752103030 श्री जीतुभाई : 9320466332/9819170440

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, इन्दौर

जिनालय का नाम	:	**श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय, इन्दौर**
विराजमान	:	जिनालय के काली मण्डप स्थित कुलिका में
प्रतिष्ठा	:	वि.स.2075, चैत्र वद 11, रविवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री विश्वरत्नसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	27 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर, बिचोली मर्दाना, रॉयल केम्पस, अग्रवाल स्कूल के पास, इन्दौर, मध्य प्रदेश.
संपर्क	:	9825911579/9425981296/9425948215

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, केशरियाजी-पालिताणा

जिनालय का नाम	:	**श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, केशरियाजी-पालिताणा**
विराजमान	:	जिनालय के भोयरे मे स्थित रंगमण्डप मे मेहमान के रूप में
प्रतिष्ठा	:	-
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री देवसूरिजी म.सा., आ. श्री हेमचंद्रसूरिजी म.सा., आ. श्री चंद्रोदयसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	21 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन पेढ़ी, केशरियाजी नगर यात्रिक भवन, तलेटी रोड, पालीताणा, जिला भावनगर, गुजरात-364270.
संपर्क	:	02848-252213/253387

श्री सांवलिया पार्श्वनाथ, समेतशिखर

जिनालय का नाम	:	**श्री सांवलिया पार्श्वनाथ, समेतशिखर**
विराजमान	:	रंग मण्डप स्थित गोखले में
प्रतिष्ठा	:	-
प्रतिष्ठाकारक	:	**आ. श्री**
भगवान का वर्ण	:	श्वेत
ऊंचाई	:	- इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री सांवलिया पार्श्वनाथ जिनालय, भोमियाजी मंदिर, मधुबेन, समेतशिखर, झारखण्ड.
संपर्क	:	-

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ गृह जिनालय, मरीन ड्राईव्ह-मुंबई

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ गृह जिनालय, मरीन ड्राईव्ह-मुंबई**
विराजमान	:	मूलनायक के रूप मे विराजित
प्रतिष्ठा	:	वि.सं.२०७५ चैत्र वद 2, रविवार, दि.21.4.2019
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री सागरचंद्रसागरसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	पंच धातु से निर्मित
ऊंचाई	:	16 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ गृह जिनालय, द्वारा-श्री निलेशभाई दोशी, 84/3, दुरु महल, एफ रोड, पाटणवाला बिल्डींग के सामने, मरीन ड्राईव्ह, मुंबई, महाराष्ट्र-400002.
संपर्क	:	93210 93202

श्री संभवनाथजी जैन जिनालय, सूरत

जिनालय का नाम	:	**श्री संभवनाथजी जैन जिनालय**
विराजमान	:	रंगमंडप में बहार गोखले में
प्रतिष्ठा	:	ता.10.12.2012, सोमवार
प्रतिष्ठाकारक	:	**पू. आ. श्री जगवल्लभसूरिजी म.सा.**
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	21 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	शुभ-शिल्प रेसीडन्सी, वेसु रोड, सुरत
संपर्क	:	

श्री मिनी नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर-नागेश्वर तीर्थ

जिनालय का नाम	:	**श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, नागेश्वर तीर्थ**
विराजमान	:	जिनालय के प्रथम स्तल पर गोखले में
प्रतिष्ठा	:	जेठ वद 14, ता.28.06.2003, शनिवार
प्रतिष्ठाकारक	:	-
भगवान का वर्ण	:	श्याम
ऊंचाई	:	18 इंच फणा सहित
श्रीसंघ का पूरा पता	:	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढ़ी, उनहेल
संपर्क	:	07410-240747

वर्धमान तप की 100 ओली का पारणा

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ द्वारा
त्रिगडा, भण्डार, अष्टप्रकारी पूजा सामग्री
अद्यवत भारतभर के सैंकडो जिन मंदिरो में
अर्पित की गई है एवं वर्तमान में
अर्पण कार्यक्रम सतत चालु है

साध्वीजी	निश्रा	वर्ष
पू. सा.अमितगुणाश्रीजी म.सा.	प. पू. आ. श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ.श्री हर्षसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा	2000
पू. सा.श्री अमीपूर्णाश्रीजी म.सा.	नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक प.पू.आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2013
पू. सा.श्री चारित्ररसाश्रीजी म.सा.	प.पू. आ. श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री हेमचन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री अपूर्वमंगलरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2015
पू.सा. श्री मृदुपूर्णाश्रीजी म.सा.	नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक प.पू. आ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2019

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ में गत कुछ चातुर्मास की संक्षिप्त यादि

क्र.	नाम	ठाणा	वर्ष
1.	पू. साध्वी श्री धैर्यताश्रीजी एवं पू. साध्वी सूर्यकान्ताश्रीजी म.सा.	5	-
2.	पू. आचार्य श्री ह्रींकारसूरीश्वरजी म.सा.	2	-
3.	पू. आचार्य श्री यशोभद्रसूरीश्वरजी म.सा.	4	-
4.	पू. साध्वी श्री जयशीलाश्रीजी म.सा.	5	-
5.	पू. आचार्य श्री हिरण्यप्रभसूरीश्वरजी म.सा.	8	-
6.	पू. साध्वी श्री प्रशमशीलाश्रीजी म.सा.	11	-
7.	पू. साध्वी श्री कीर्तिप्रभाश्रीजी म.सा.	5	-
8.	पू. साध्वी श्री अमितगुणाश्रीजी म.सा.	8	-
9.	पू. साध्वी श्री चन्दनबालाश्रीजी म.सा.	2	-
10.	पू. साध्वी श्री दमिताश्रीजी, श्री पुण्योदयाश्रीजी श्री निर्मलगुणाश्रीजी	2	-
11.	पू. आचार्य श्री हिरण्यप्रभसूरीश्वरजी म.सा.	3	-
12.	पू. आचार्य श्री पद्मचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	2	-
13.	पू. आचार्य श्री चन्द्रकीर्तिसूरीश्वरजी म.सा.	2	-
14.	पू. मुनिराज श्री चन्द्रशेखरविजयजी म.सा.	1	-
15.	पू. साध्वी श्री जितज्ञाश्रीजी म.सा.	5	-

क्र.	नाम	ठाणा	वर्ष
16.	पू. साध्वी श्री शीलपूर्णाश्रीजी म.सा.	3	2005
17.	पू. आचार्य श्री जिनचन्द्रसागरसूरीश्वरजी-हेमचन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.	50	2006
18.	पू. साध्वी श्री शशिप्रभाश्रीजी म.सा.	8	2007
19.	पू. साध्वी श्री अर्चनाश्रीजी म.सा.	3	2008
20.	पू. साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म.सा.	3	2009
21.	पू. साध्वी श्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म.सा.	9	2010
22.	पू. साध्वी श्री अमीपूर्णाश्रीजी म.सा.	10	2011
23.	पू. आचार्य श्री चन्द्रकीर्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2	2012
24.	पू. साध्वी श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा.	2	2013
25.	पू. साध्वी श्री राजरत्नाश्रीजी म.सा.	2	2014
26.	पू. साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म.सा.	2	2015
27.	पू. साध्वी श्री मुक्तिरेखाश्रीजी म.सा.	2	2016
28.	पू. साध्वी श्री दमिताश्रीजी, श्री निर्मलगुणाश्रीजी	7	2017
29.	पू. आचार्य श्री कल्याणसागरसूरीश्वरजी म.सा.	4	2018
30.	पू. साध्वी श्री दिप्तीलताश्रीजी म.सा.	3	2018

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जन्म एवं दीक्षा कल्याणक महोत्सव की संक्षिप्त यादि

क्रम	निश्रा दाता	लाभार्थी	वर्ष
1.	पू. आगमोद्धारक समुदाय	श्री महेन्द्रभाई साकरचंद मेहता, बोरीवली-मुंबई	1999
2.	पू. आचार्य श्री पद्मचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	शाह श्री सुमेरमल हजारीमलजी लूक्कड परिवार, मुंबई	2000
3.	पू. आचार्य श्री पद्मचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	शाह श्री सुमेरमल हजारीमलजी लूक्कड परिवार, मुंबई	2001
4.	पू. आचार्य श्री ऋषभचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	सेठ श्री संघवी मंछालाल ताराचंद संघवी, चैन्नई (सुरत)	2002
5.	पू.आ. श्री नवरत्नसूरीश्वरजी म.सा.	श्री रमणीकलाल जाधवजी महेता परिवार, सावर कुण्डला, मुंबई (धारणा, पारणा)	2003
6.	पू. आगमोद्धारक समुदाय	श्रीमती जेवतीबेन चुन्नीलाल संघवी, सांतलपुर	2004
7.	पू. आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती प्रवीणाबेन प्रवीणचंन्द्र शाह, मुंबई	2005
8.	पू. आचार्य श्री जिनचन्द्र-हेमचन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री जितेन्द्रकुमार बामणमलजी गांधी परिवार, राजकोट	2006
9.	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री दिलीपभाई मेहता परिवार, बोरीवली-मुंबई	2007
10.	पू. आचार्य श्री अपूर्वमंगलरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री मुकेशभाई दोशी, श्री दिलीपभाई दोशी परिवार, मुंबई	2008
11.	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री मुकेशभाई, श्री दिलीपभाई, श्री जितेन्द्रभाई, मुंबई	2009
12.	पू. आचार्य श्री सोमसुंदरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सुरजमल रुपाजी परिवार, बोरीवली-मुंबई	2010
13.	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री मुकेशभाई, श्री दिलीपभाई, श्री जितेन्द्रभाई, मुंबई	2011
14.	पू. आचार्य श्री अपूर्वमंगलरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती कल्याणीदेवी सज्जनराजजी नाहर परिवार, चैन्नई	2012
15.	पू. आचार्य श्री अपूर्वमंगलरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प्रेरणा : प.पू. अमर-प्रशम-वज्ररत्नसागरजी म.सा.	वागड ग्रुप मुंबई हस्ते लखमशी भाई, मुंबई	2013
16.	पू. साध्वी श्री अमितगुणाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा	श्री कल्याणीदेवी सज्जनराजजी नाहर एवं कमलादेवी भंवरलालजी भुरट	2014
17.	पू. मुनिराज श्री जिनवल्लभविजयजी म.सा.	श्री विमलचंद दिलीपकुमार मुथा, आम्बुर, श्री घोघारी विशा श्रीमाली जैन संघ, बरोडा	2015
18.	पू. आचार्य श्री ऋषभचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	श्री बाबुलालजी संजयकुमार नाहर परिवार, उज्जैन	2016
19.	पू. आचार्य श्री विश्वरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	संघवी श्री भलराज केवलचंदजी परिवार, रानीवाडा खुर्द (मुंबई)	2017
20.	पू. आचार्य श्री जिनरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प्रेरणा : प.पू. अमर-प्रशम-वज्ररत्नसागरजी म.सा.	श्री मुकेशभाई मगनलाल दोशी परिवार, मुंबई	2018

श्री नागेश्वर तीर्थ के छःरी पालित संघो की संक्षिप्त यादि

नाम	निश्रा	संघपति	दिनांक
डग-नागेश्वर छःरी पालित संघ (सर्व प्रथम)	पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती मोहनबाई शिवरतनमलजी लोढ़ा, डग	
डग-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	मोतिलालजी उंकारलालजी, डग	
बदनावर-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	भंवरलाल नन्दलालजी लोढा, बदनावर	
रतलाम-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	ज्ञानचंदजी सुराना परिवार, रतलाम	
रतलाम-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती सुभद्राबेन मोहनलालजी मालवीय, रतलाम	
राणकपुर-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री कलापूर्णसूरीश्वरजी म.सा.	गुरुभक्त परिवार	
मंदसौर-नागेश्वर छःरी पालित संघ	पू. पं. श्री यशोभद्रसागरजी म.सा., पू. पं. श्री निरुपमसागरजी म.सा.	सामूहिक संघपति	
कस्वा उन्हैल-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री वीररत्नविजयजी म.सा.	श्री जवाहरलाल फतेसिंहजी चौहान, कास्वा उन्हैल	
रतलाम-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. गच्छाधिपति आचार्य श्री महोदयसूरीश्वरजी म.सा.	श्री माणकलालजी लखमीचंद लूणिया, रतलाम	29.11.2000
उज्जैन-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. गच्छाधिपति आचार्य श्री सुर्योदयसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री जेठमलजी केसरीमलजी बोहरा, उज्जैन	14.05.2002
ह्रींकारगिरि इन्दौर-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नयपद्मसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सोहनीबाई धनराजजी रामीणा, मुंबई	02.02.2003
मंदसौर-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सामुहिक संघपति परिवार, मंदसौर/लुदना	03.02.2003
उदयपुर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री चन्द्ररत्नसागरजी म.सा.	श्रीमती कमलाबाई सरेमलजी सरोया, उदयपुर	16.02.2004
सुखेडा नागेश्वर छरी पलित संघ	पू. गणि श्री मुक्तिसागरजी म.सा.	श्रीमती पुष्पाबाई झमकलाल चन्द्रावत, सुखेडा	17.02.2004
फालना-नागेश्वर छरी पलित संघ	पू. आचार्य श्री अरिहंतसिद्धसूरीश्वरजी म.सा.	श्री हंसराज मोहनलाल माण्डवला, आदि	28.02.2004
दानपुर बांसवाडा-छरी पालित संघ	पू. गणि श्री मुक्तिसागरजी म.सा.	श्री अशोककुमारजी मोहनलालजी चन्द्रावत, दानपुर	26.03.2004
बोलिया-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जितेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	श्री नेमीचंदजी हीरालालजी राठौड आदि, बोलिया	02.01.2005
झाबुआ-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती लीलाबाई शांतिलालजी भण्डारी, झाबुआ	09.01.2005
रतलाम-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री चण्डालिया, गुजराती एवं कटकानी परिवार, रतलाम	04.12.2005
रतलाम-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री अजीतसेनसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती सुरजबाई लालचंदजी गेलडा परिवार, रतलाम	23.01.2006
मुंबई-नागेश्वर तीर्थ छरीपालित संघ	पू. गच्छाधिपति आचार्य श्री सुर्योदयसागरसूरीश्वरजी म.सा. पू. आचार्य श्री सागरचन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती शकरीबाई चुन्नीलाल, श्री पियुषभाई आदि भायन्दर, मुंबई	30.01.2006
जावरा नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती सोहनबाई रतनलालजी दसेडा, जावरा	18.11.2006
आलोट नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा.	श्री विमलकुमार अजयकुमार जैन श्रीमाल, आलोट	19.11.2006

मंदसौर नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सोभागमलजी दिलीपकुमारजी रांका परिवार, मंदसौर	13.04.2007
उज्जैन-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री पदमसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री रविचंद बोथरा परिवार, विशाखपट्टनम	28.12.2007
आगर-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री मदनलालजी चिपिया वाला परिवार आदि, आगर	13.01.2008
पिपलोनकला-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री चंपालालजी भंवरलालजी चौधरी, पिपलोनकलां	13.01.2009
आलोट-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. साध्वी श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा.	श्री धर्मचंदजी कटारीया परिवार, मुंबई	2009
कस्वा उन्हैल-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री राजरत्नविजयजी म.सा. प्रेरणा-निश्रा-मार्गदर्शन : पू.सा. श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा.	श्री अनिलकुमार भैरुलाल आदि, कास्वा उन्हैल	-
सीतामउ-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री वारीषेणसूरीजी म.सा.	श्री कीशोरकुमारजी आदि परिवार, सीतामउ	21.05.2010
आगर(सतना)-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आ. श्री अपूर्वमंगलसागरसूरिजी म.सा. एवं चतुष्क बंधु म.सा	श्री सतना जैन संघ, सतना	.....
महीदपुर-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री सागरचन्द्रसागरजी म.सा.	श्री रमेशचंदजी कोचर परिवार, महीदपुर सीटी	24.02.2011
रतलाम-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री राजरत्नविजयजी म.सा.	श्री प्रेमलताबेन राजकुमारजी गांधी, रतलाम	02.01.2012
नागदा-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री रिषभचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.	श्री वागरेचा परिवार, नागदा (जं.)	07.12.2012
आगर-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री घुघरीया परिवार, आगर	16.04.2013
खाचरौद-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सुरेशचन्द्र ज्ञानचंदजी मेहता, खाचरौद	26.06.2013
आष्टा-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री हर्षतिलकसूरीजी म.सा.	श्रीमती सुरेकुंवरबेन गुलाबचंदजी सुराना परिवार, आष्टा	26.11.2014
देपालपुर'-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री प्रसन्नचंदसागरजी म.सा.	श्री चमनलालजी डागरीया, देपालपुर	09.02.2015
रतलाम-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री मुक्तिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती सुशिलादेवी कांतिलालजी पितलीया, रतलाम	10.12.2015
राजोद नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री जिनरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्रीमती सरोजबेन कन्हैयालालजी सांकरीया, राजोद	13.12.2016
महीदपुर-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री विररत्नविजयजी म.सा.	श्री मांगीलालजी मेहता आदि, महीदपुर	09.11.2017
आगर-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	पू. गच्छाधिपति आचार्य श्री दौलतसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री सामूहिक संघपति परिवार-आगर	13.11.2017
आगर-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री विश्वरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री प्रकाशचंदजी मांगीलालजी भंडारी, चिपियावाला	09.12.2017
राजोद-नागेश्वर तीर्थ छरीपालित संघ	पू. आचार्य श्री विश्वरत्नसागरसूरीजी म.सा.	श्री कांतिलालजी कान्ताबेन परिवार, राजोद	08.01.2018
कस्बा उन्हैल-नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा.	श्री जवाहरलालजी बापुलालजी चौहान, कस्बा उन्हैल	17.12.2018
नलखेडा नागेश्वर छरी पालित संघ	पू. मुनि श्री प्रसन्नचंदसागरजी म.सा.	श्री मुणौत एवं तातेड परिवार, नलखेडा	20.12.2018
मंदसौर-नागेश्वर छरी पलित संघ	पू. आचार्य श्री हेमचन्द्रसागरसूरीजी म.सा.	श्री सामूहिक संघपति परिवार, मंदसौर	03.01.2019
गंगधार-नागेश्वर तीर्थ छरी पालित संघ	प.पू. पंन्यास श्री वीररत्नविजयजी म.सा.	श्री मेहता परिवार, चौमहला	

श्री जैन श्वेताम्बर नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी द्वारा 200 जिनालयो में अनुदान

क्रम	नाम	शहर
1	श्री शांतिनाथ जैन श्वे. मंदिर ट्रस्ट	भोपावर
2	श्री जैन श्वेताम्बर आनदधाम तीर्थ	घसोई
3	श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ	प्रतापगढ़
4	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ कालानी नगर	इन्दौर
5	श्री जैन श्वेताम्बर तीर्थ पेढ़ी	माण्डवगढ
6	श्री सिद्धसेन दिवाकर ट्रस्ट	उज्जैन
7	श्री आदेश्वर भगवान की पेढ़ी	उज्जैन
8	श्री अष्टापद जैन तीर्थ	हाटपिपल्या
9	श्री जैन श्वेताम्बर मुर्ति पुजक संघ	ताल
10	श्री विश्व कल्याण जैन विमलनाथ स्वामी	बलसाणा
11	श्री भक्तामर अभ्युदय धाम न्यास	धार
12	श्री जीरावला पार्श्वनाथ जैन तीर्थ	जीरावला
13	श्री देव गुरु शक्तिपिठ ट्रस्ट (कीला मन्दिर)	महिदपुर
14	श्री उवसग्गहरं पार्श्वनाथ तीर्थ	नगपुरा
15	श्री जंबूद्विप वर्धमान जैन पेढी	पालिताणा
16	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय	उज्जैन
17	श्री केसरीया नाथ तीर्थ व्यवस्थापक कमेटी	बिबडौद
18	श्री जैन श्वे चन्द्रप्रभु मंदिर	सुनेल
19	श्री चन्द्रप्रभ मंदिर रामपुरा बाजार	कोटा
20	श्री अवंति पार्श्वनाथ मंदिर	उज्जैन
21	श्री आर्यरक्षितसुरि तीर्थ धाम ट्रस्ट	मंदसौर
22	श्री ह्रींकारगीरी तीर्थ (नागेश्वर मंदिर निर्माण)	इन्दौर
23	श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ पेढ़ी	कोटा
24	श्री पार्श्वनाथ कुशल सूरी दादावाडी	नलखेडा
25	श्री अहिच्छत्रा पार्श्वनाथ मंदिर	अहिच्छत्रा
26	श्री जैन आर्य तीर्थ अयोध्यापुरम	वलभीपुर, गुज.
27	श्री विमलनाथ स्वामी जिनालय	बडौद
28	श्री ऋषभ धर्म चक्र विहार ट्रस्ट	खडौतिया
29	श्री केसरीया जैन श्वे. मंदिर	शामगढ
30	श्री संभवनाथ देव ठाकुर पेढी	जीयागंज
31	श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ	रावतभाटा
32	श्री वर्धमान जैन सेवा समिति	विटा
33	श्री महावीर जैन विद्यालय, (आदेश्वर जिनालय)	पूणे
34	श्री सर कीकाभाई प्रेमचंद ट्रस्ट	उदयपुर
35	श्री पार्श्व कुशल सूरी जिनालय	रतलाम
36	श्री आदिनाथ जैन श्वे मंदिर	प्रतापगढ़
37	श्री सिद्धाचल धाम मंदिर	सीतामउ
38	श्री जैन श्वेताम्बर सोसायटी	शिखरजी
39	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	अफजलपुर
40	श्री सिद्धाचल तीर्थ मण्डण (दादावाडी)	प्रतापगढ़
41	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वे. मंदिर	जम्मु काश्मीर
42	श्री सम्मेतशिखरजी तीर्थ वही पार्श्वनार्थ	वही
43	श्री चन्द्रप्रभु जैन श्वेताम्बर मंदिर	पुंजपुर
44	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर	बेटमा
45	श्री उघरोज मणीभद्रवीर जैन ट्रस्ट	उघरोज
46	श्री विघ्नहर पार्श्वनाथ जैन श्वे तीर्थ खिलचीपुरा	मंदसौर
47	श्री आदिनाथ नाथुलाल जैन श्वे. पेढी	बदनावर
48	श्री आदिनाथ जैन श्वे मंदिर	भोपाल
49	श्री जैन श्वेताम्बर तीर्थ संघ	मनोहरथाना

श्री जैन श्वेताम्बर नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी द्वारा 200 जिनालयो में अनुदान

50	श्री जैन श्वेताम्बर मू पुजक संघ	फतेहनगर
51	श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन श्वे. मंदिर न्यास	उज्जैन
52	श्री राजगृही तीर्थ (आनंदसागर फाउन्डेशन)	कल्याणगढ़
53	श्री जैन श्वेताम्बर वासुपूज्य जिनालय	कोटडी
54	श्री मुनि सुव्रतस्वामी जैन श्वेताम्बर संघ	इन्दौर
55	श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ	तितरोद
56	श्री यति भिंवगणी ऋषभदेव ट्रस्ट	सुजानगढ
57	श्री ऋषभ देव केशरीमल जैन पेढी	रतलाम
58	श्री रंधौला पार्श्वनाथ स्वामी जिनालय	उमराला
59	श्री ऋषभदेव जैन श्वेताम्बर मंदिर	लदूना
60	श्री जैन श्वेताम्बर मू पुजक संघ	मुण्डेरी
61	श्री पार्श्वनाथ स्वामी जैन ट्रस्ट	मनासा
62	श्री करमचंद जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट बोर्ड	रतलाम
63	श्री आचार्य सुशिल मुनि मेमो ट्रस्ट	दिल्ली
64	श्री आदिनाथ जैन मंदिर समिति	रेवासदेवडा
65	श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर	भवानीमण्डी
66	श्री जैन श्वेताम्बर श्री संघ	कुकडेश्वर
68	श्री आरीसा भवन जैन ट्रस्ट	पालिताणा
69	श्री शांतिनाथ राजमल जैन पेढी	राजोद
70	श्री पार्श्वनाथ स्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर	सीतामउ
71	श्री एस कुमार मेहता चेरीटेबल ट्रस्ट	तलोद, गुजरात
72	श्री आदिनाथ जैन श्वे मंदिर	अरनोद
73	श्री जैन श्वेताम्बर चन्द्रप्रभु मंदिर	दुधालिया
74	श्री आदिनाथ चेरीटेबल ट्रस्ट	इन्दौर
75	श्री रत्नत्रयी ट्रस्ट	मुंबई
76	श्री सूधर्मास्वामी जैन श्वे. मंदिर	पुणे
77	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर संघ	रूनिजा
78	श्री जैन श्वेताम्बर मू. पू. संघ-सूर्यानन्द नगर	बांसवाडा
79	श्री विमल सुदर्शन चन्द्र ट्रस्ट	वही तीर्थ
80	श्री सांवरीया पार्श्वनाथ जिनालय	अजीमगंज
81	श्री जैन श्वेताम्बर मु. पु. संघ	बारां
82	श्री आदेश्वर दादा जैन श्वेताम्बर मंदिर	करही
83	श्री पल्लवीया पार्श्वनाथ ट्रस्ट	पालनपुर
84	श्री आदिनाथ बाबासाहब मंदिर ट्रस्ट	रतलाम
85	श्री आदेश्वर जैन श्वेताम्बर मंदिर	शाजापुर
86	श्री वडगाम जैन देरासर	वडगाम
87	श्री जैन श्वेताम्बर मुर्ति पुजक संघ	वापी
88	श्री विमलनाथ स्वामी मंदिर	बपैया
89	श्री आदिनाथ जैन श्वे. मू.पू. संघ-कालानी नगर	इन्दौर
90	श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ मंदिर	दिग्ठान
91	श्री आगमोद्धारक प्रतिष्ठान	अहमदाबाद
92	श्री आदेश्वर चन्द्रप्रभु मंदिर ट्रस्ट	उज्जैन
93	श्री आदिनाथ जैन श्वे. मंदिर	बडनगर
94	श्री विमलनाथ स्वामी श्वेताम्बर मंदिर	बम्बोरा
95	श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	मोहनबडौदीया
96	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मु. पु. 4 थुई	उज्जैन
97	श्री जैन श्वेताम्बर मुर्ति पुजक संघ	उनावा गुजरात
98	श्री आरखी जैन श्वे मंदिर संघ	आरखी
99	श्री आदिनाथ जैन मंदिर जिर्णोद्धार	बडावदा
100	श्री आदिनाथ स्वामी जैन श्वेताम्बर मंदिर	भिलवाड़ा

श्री जैन श्वेताम्बर नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी द्वारा 200 जिनालयो में अनुदान

101	श्री संभवनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	भिलवाड़ा
102	श्री जैन श्वेताम्बर मु.पु. संघ	बोरी
103	श्री हरीभद्रसूरी स्मारक ट्रस्ट	चित्तोड़गढ
104	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	डग
105	श्री सोसाईटी नगर जैन संघ	हिम्मतनगर
106	श्री पावापुरी सम्मतशिखर तीर्थ	ईडर
107	श्री जैन श्वे. मंदिर (क्लर्क कालोनी)	इन्दौर
108	श्री केसरीयानाथ मंदिर समिति	झालावाड़
109	श्री आनंद माणिक्य मणिभद्र संस्था	महावीरपुरम्
110	श्री दिल्ली गुजराती कुंथुनाथ ट्रस्ट	नई दिल्ली
111	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर	राजकोट
112	श्री पार्श्व वल्लभ इन्द्रधाम	सांचोरा
113	श्री भुवनभानु मनोहर पूर्ति ट्रस्ट	सापुतारा
114	श्री जैन श्वेताम्बर देवसुर तपागच्छ संघ	उज्जैन
115	श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ	रठाना
116	श्री जैन श्वेताम्बर मुर्ति पुजक संस्थान	ग्वालियर
117	श्री सकल जैन श्रीसंघ बिरला ग्राम	नागदा
118	श्री ओढव जैन श्वे मु.पु. संघ	अहमदाबाद
119	श्री जीरावला पार्श्वनाथ मंदिर	इन्दौर
120	श्री भिडभंजन पार्श्वनाथ मंदिर	अहमदाबाद
121	श्री मनमोहन पार्श्वनाथ जैन मंदिर	बागली (देवास)
122	श्री जैन श्वेताम्बर मु. पू. संघ	बहतेडे
123	श्री पार्श्वनाथ जैन श्वे. संघ	डाबी
124	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ	दाहोद
125	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर	डेहरा भरतपुर
126	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर दादावाड़ी	दौसा
127	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ	हाटपिपल्या(देवास)
128	श्री धर्मनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर दादावाड़ी	जबलपुर
129	श्री चिन्तामणी पार्श्वनाथ मंदिर	कस्बा उन्हैल
130	श्री नाकोडा पार्श्वनाथ जैन मंदिर	खाचरौद
131	श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	मई (नदबई)
132	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मू.पू. संघ	नदबई, भरतपुर
133	श्री ऋषभदेव जैन श्वेताम्बर पेढी	नारायणगढ
134	श्री शान्तिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट	पापडदा
135	श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मु.पू. संघ	रामपुरीया
136	श्री जैन श्वेताम्बर नेमीनाथ तीर्थ पेढी	रिंगनोद
137	श्री जैन श्वेताम्बर मु. पू. संघ	सवाईमाधोपुर
138	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ	सुखेडा
139	श्री पल्लीवाल जैन संघ	आगरा
140	श्री चिन्तामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर	बाजना
141	श्री जैन श्वेताम्बर मु. पु. संघ	बारावरदा
142	श्री सर्व संभव राजेन्द्र ट्रस्ट	बडवाह
143	श्री ओसवाल जैन श्रीसंघ	छिंदवाडा
144	श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर	चौमहला
145	श्री पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर	खुजनेर
146	श्री संभवनाथ जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट	पिछोर
147	श्री पार्श्वनाथ वीर जैन श्वे. ट्रस्ट	बेंगू
148	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ	संजीत
149	श्री रमावली पार्श्वनाथ जैन मंदिर	रमावली
150	श्री जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ	रामपुरा

श्री जैन श्वेताम्बर नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी द्वारा 200 जिनालयो में अनुदान

151	श्री जैन श्वेताम्बर मुर्ति पुजक कुंथुनाथ ट्रस्ट	सरोदा
152	श्री अजीतनाथ जैन श्वे. मंदिर	अकलेरा
153	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	अलवर
154	श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन श्वे. मंदिर	अम्बाला
155	श्री सिमंधर स्वामी जिनदत्त धाम	आष्टा
156	श्री नवरत्न अपूर्व मंगल जैन ट्रस्ट	बेरछामडी
157	श्री श्रेयांसनाथ जैन धार्मिक पा. ट्रस्ट	बेटमा
158	श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर	भचुण्डला
159	श्री भिलडीया पार्श्वनाथ जैन मंदिर	भिलडीयाजी(गुज.)
160	श्री पार्श्वनाथ जैन श्वे. मू.पू. संघ	भिलवाडा
161	श्री गौतम लब्धि तपा मू.पू. संघ	बिडवाल
162	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	बोलिया
163	श्री जैन श्वे. मू.पू. संघ	छोटी सादडी
164	श्री जैन श्वे. सात बीस देहरी संघ	चित्तोडगढ़
165	श्री संभवनाथ जैन मंदिर	छोटा उदयपुर
166	श्री आदेश्वर जैं श्वे. धार्मिक ट्रस्ट	देवास
167	श्री हंसमुखा ऋषभदेव मंदिर	धमनार
168	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	धरीयावद
169	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	गांधीसागर
170	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	गौतमपुरा
171	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	गुना
172	श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर	गुना
173	श्री सर्व मंगल वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर	हैद्राबाद
174	श्री पार्श्वनाथ जैन श्वे. मंदिर	इन्दोख
175	श्री परमतारक शीतलनाथ जिनालय	रायपुर
176	श्री महावीरस्वामी जैन मंदिर ट्रस्ट	रियावन
177	श्री शांतिनाथ जैन मंदिर	रुनिजा
178	श्री वीसा पोरवाल जैन श्वे. तीर्थ	सागोद
179	श्री चिंतामणी पार्श्व जैन मू. पू. ट्रस्ट	शुजालपुर
180	श्री चिंतामणी पार्श्व जैन मू. पू. ट्रस्ट	सागवाड़ा
181	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	सिंगोली
182	श्री केशरीया आदिनाथ जैन संघ	सिलेगड
183	श्री पार्श्वनाथ जैन संघ-सिलीगुडी	दार्जिलिंग
184	श्री जैन श्वे मू.पू. संघ	सिरस भरतपुर
185	श्री जैन श्वे. खरतरगच्छ संघ	जयपुर
186	श्री जैन श्वे. श्रीसंघ	जमुनिया
187	श्री रिषभदेव पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट	जावरा
188	श्री महावीर स्वामी जैन श्वे. मंदिर ट्रस्ट	झालावाड
189	श्री जैन श्वे. समाज सेवा ट्रस्ट	झालोद
190	श्री जोगीवाडा श्वे. मू. पू. संघ	जोगीवाडा
191	श्री आदिनाथ मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर	करनावद
192	श्री आदेश्वर जैन श्वे. भेटेवरा मंदिर	खाचरौद
193	श्री सुविधिनाथ जैन श्वे. मंदिर	खाचरौद
194	श्री जैन श्वे. मू. पू. संघ	खरसौदकला
195	श्री जैन श्वे. श्री संघ	कालीसिंध
196	श्री गोडी पार्श्वनाथ जिनालय	सूरत
197	श्री विश्व कल्याण विमलनाथ जैन तीर्थ	बलसाणा
198	श्री जैन श्वे. मंदिर	तलाजा
199	श्री जैन श्वे. सुपार्श्वनाथ मंदिर	आरवी (महा.)
200	श्री जिन शासन सेवा शिक्षा संस्कार समिति ट्रस्ट	उज्जैन

वर्धमान तप की

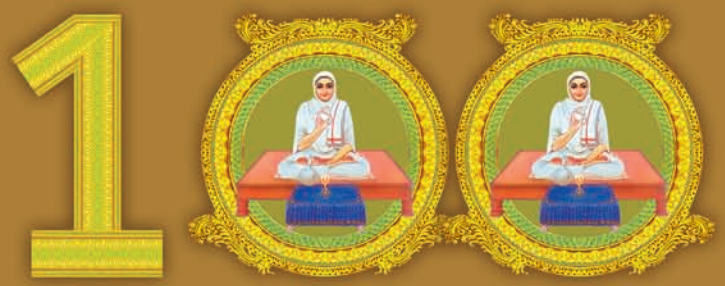

ओली का पारणा

साध्वीजी	निश्रा	वर्ष
पू. सा.अमितगुणाश्रीजी म.सा.	प. पू. आ. श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ.श्री हर्षसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा	2000
पू. सा.श्री अमीपूर्णाश्रीजी म.सा.	नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक प.पू.आचार्य श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2013
पू. सा.श्री चारित्ररसाश्रीजी म.सा.	प.पू. आ. श्री नवरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री हेमचन्द्रसागरसूरीश्वरजी म.सा. प.पू. आ. श्री अपूर्वमंगलरत्नसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2015
पू.सा. श्री मृदुपूर्णाश्रीजी म.सा.	नागेश्वर तीर्थ मार्गदर्शक प.पू. आ. श्री अशोकसागरसूरीश्वरजी म.सा.	2019

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ द्वारा
त्रिगडा, भण्डार, अष्टप्रकारी पूजा सामग्री
अद्यवत भारतभर के सैंकडो जिन मंदिरो में
अर्पित की गई है एवं वर्तमान में
अर्पण कार्यक्रम सतत चालु है

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेढी की प्रारंभिक कार्यकारीणी

श्री महेशभाई गांधी ✻ श्री नवनीतभाई ✻ श्री सुधाकरभाई ✻ श्री कांतिलाल पी. शाह
श्री चन्दालाल जैन ✻ श्री बसंतिलाल डांगी ✻ श्री दीपचंद जैन
श्री शांतिलाल धाकड़ ✻ श्री ख्यालीलाल जारोली ✻ श्री भंवरलाल धींग

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ का विहंगम दृश्य
Nehaj
28736745 28736535
CELL : 9322227939

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ

नाम एक स्थान अनेक

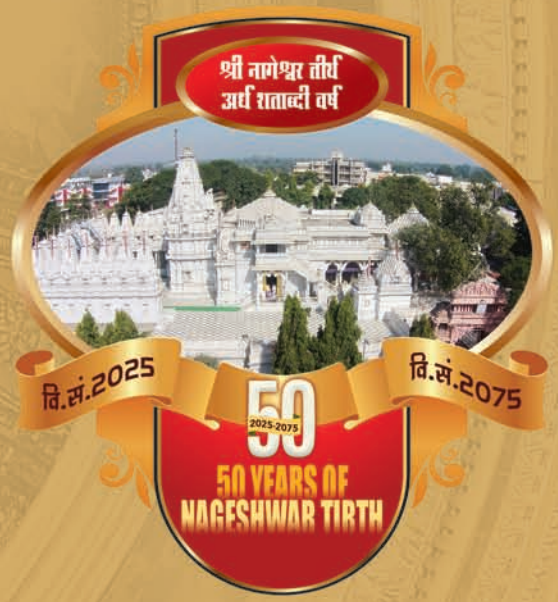

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय तीर्थ संकुल

भव्य जिनालय

जिनालय मुख्य प्रवेशद्वार

श्री चन्द्रप्रभु स्वामी जिनालय, आलोट

२४ जिनालय

श्री कल्याण पार्श्वनाथ जिनालय, गंगधार

श्री मणीभद्रवीर

श्री सिद्धाचल पट्ट मंदिर

श्री अभयसागरजी देहरी पादुका

श्री पद्मावती माताजी

श्री ह्रींकारधाम गुरुदेव मंदिर

श्री राजेन्द्रसूरि दादावाडी

श्री चिंतामणी यात्रिक भवन

श्री सिद्धाचल यात्रिक भवन
श्री सिध्धाचल यात्रिक भवन

श्री मोहनलाल यात्रिक भवन

श्री पालनपुर यात्रिक भवन

यात्रिक भवन-ओलोट

श्री रामुमा वागड यात्रिक भवन

श्री प्रबोध यात्रिक भवन

श्री जयालक्ष्मी यात्रिक भवन

श्री विमलाचल यात्रिक भवन